

GOOLE

Joseph Hawkins Cass

March 6<sup>th</sup> 1829

THE

British Musical Miscellany;

BEING A

COLLECTION OF SONGS,

SET TO

MUSIC,

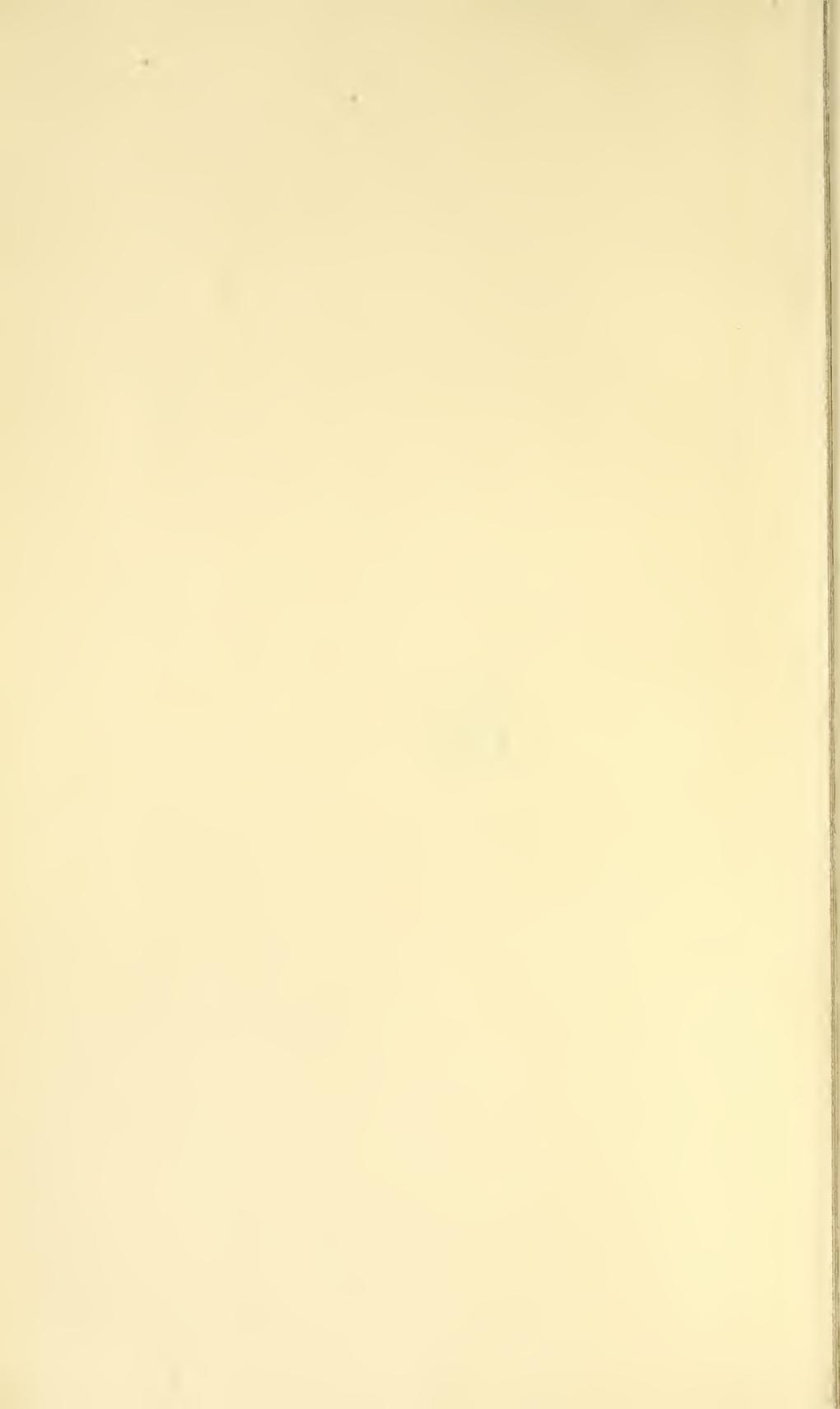
FOR

THE VOICE, VIOLIN, GERMAN-FLUTE, AND

MILITARY FIFE.

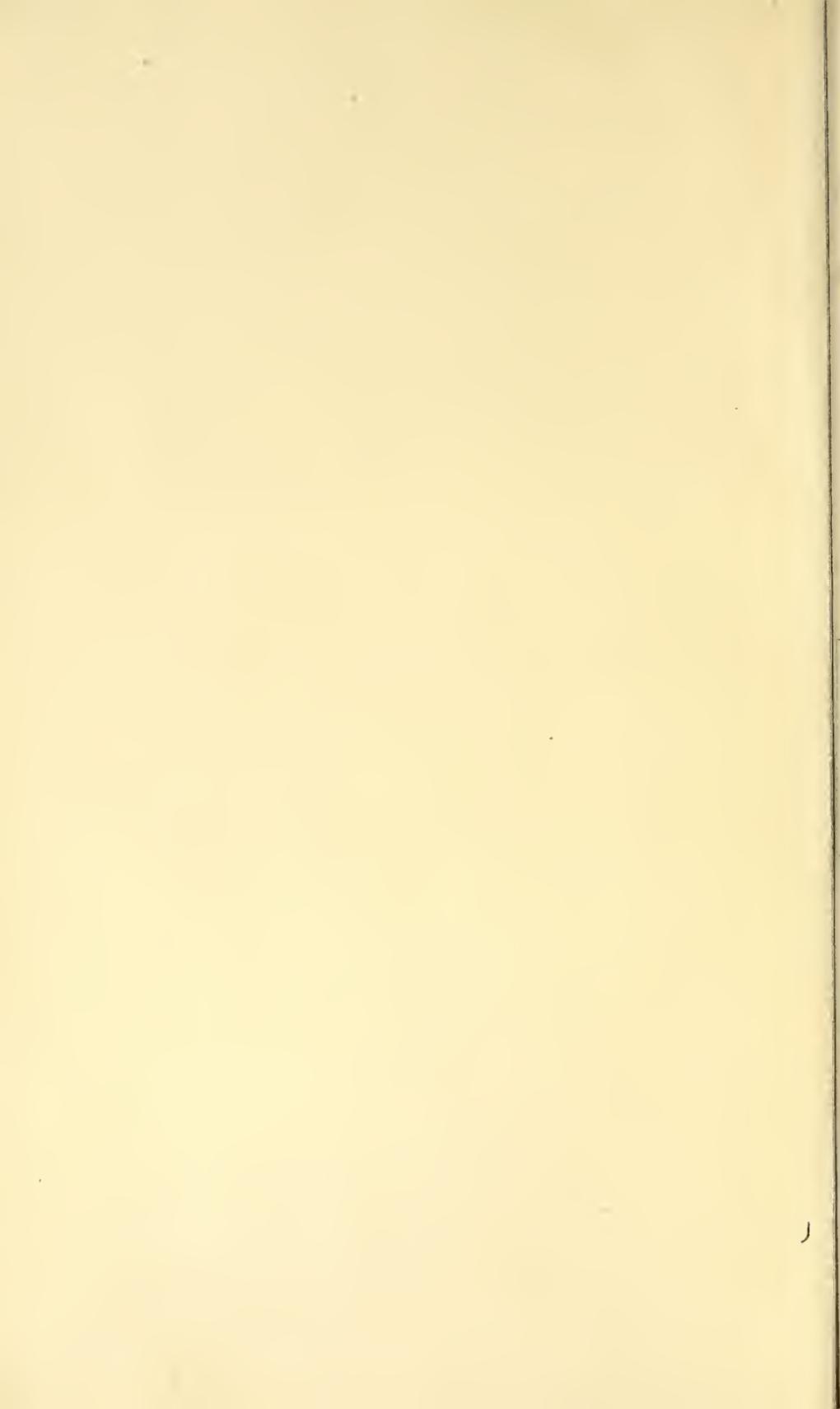
*Glen 200.*







Digitized by the Internet Archive  
in 2011 with funding from  
National Library of Scotland



Joseph Hawkins Esq;  
Presented to him by his  
affectionate friend  
Robert John Bell as a  
small token of respect —

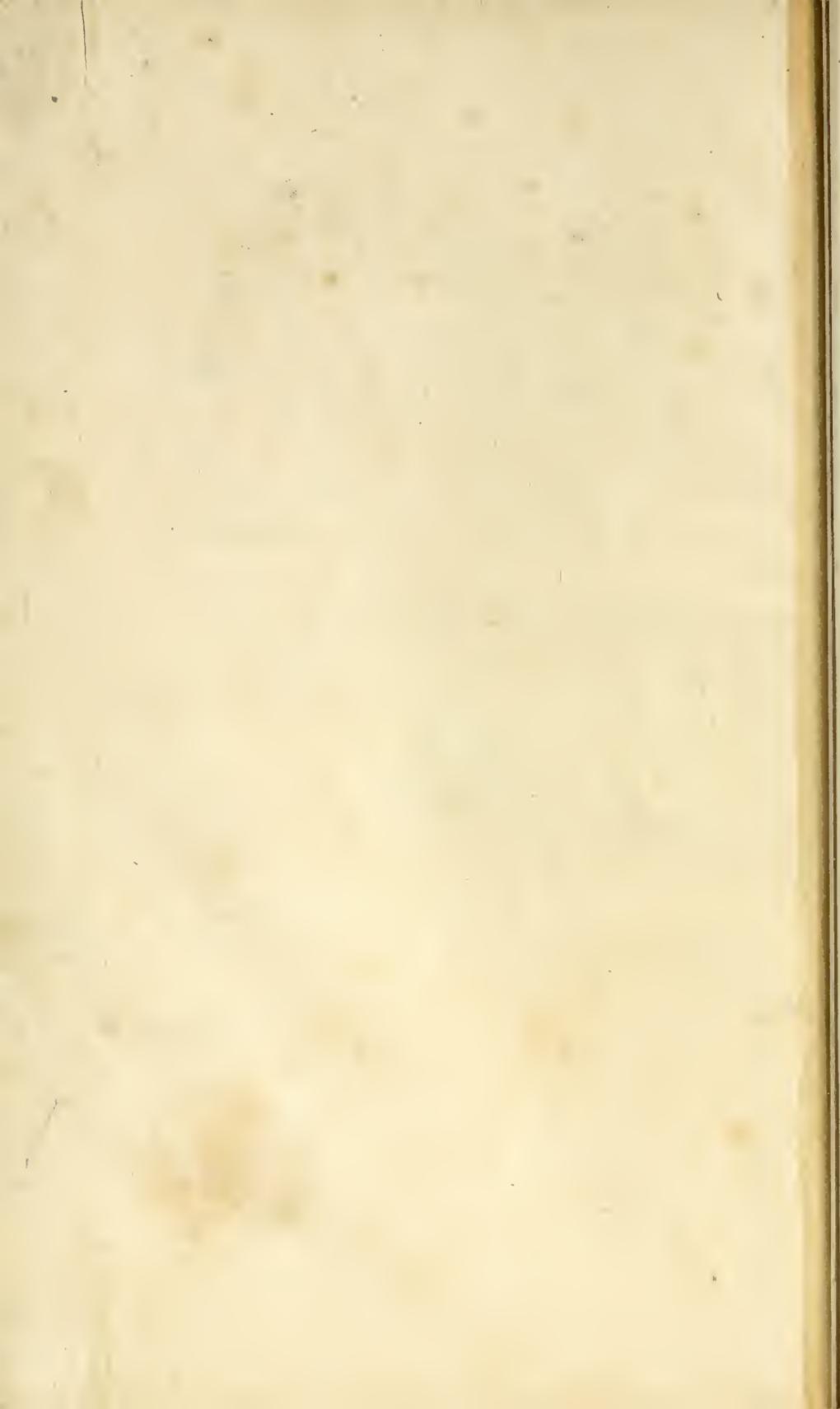
March - 2<sup>nd</sup> 1829 —

THE GLEN COLLECTION  
OF SCOTTISH MUSIC

Presented by Lady Dorothea Ruggles-  
Brise to the National Library of Scotland,  
in memory of her brother, Major Lord  
George Stewart Murray, Black Watch,  
killed in action in France in 1914.

28th January 1927.

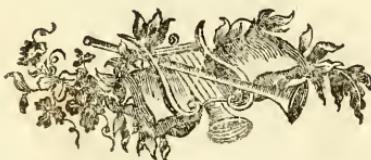




X

Glen 200.

THE  
*BRITISH*  
**Musical Miscellany:**  
BEING  
A  
**COLLECTION**  
OF  
*SCOTCH, ENGLISH, & IRISH SONGS,*  
SET TO  
**MUSIC,**  
WITH  
*PROPER KEYS*  
FOR THE  
VOICE, VIOLIN, GERMAN - FLUTE, AND  
MILITARY FIFE.



EDINBURGH:  
PRINTED BY THOMAS TURNBULL, CANONGATE,  
—O—  
1805.





---

## C O N T E N T S.

---

---

### P A R T F I R S T.

---

| SONG   | PAGE |
|--|------|
| 1. <i>The Soldier's Return</i> .....                                       | 1    |
| 2. <i>I lo'ed ne'er a Laddie but ane</i> .....                             | 5    |
| 3. <i>Here a sheer hulk lies poor Tom Bowling</i> ....                     | 7    |
| 4. <i>Whare ha'e ye been a' day</i> .....                                  | 9    |
| 5. <i>Behind yon hills</i> .....   | 11   |
| 6. <i>All in the Downs the fleet was moor'd</i> .....                      | 13   |
| 7. <i>Ye Mortals, whom fancies</i> .....                                   | 16   |
| 8. <i>Paddy's description of Pizarro</i> .....                             | 18   |
| 10. <i>A' body's like to be married but me</i> .....                       | 21   |
| 11. <i>To Anacreon in heav'n</i> .....                                     | 23   |
| 12. <i>Life's like a Ship in constant motion</i> .....                     | 26   |
| 13. <i>De'il tak the War</i> .....   | 28   |
| 14. <i>Kiss me, Sal, and say, adieu</i> .....                              | 31   |
| 15. <i>Had Neptune, when first he took charge of the<br/>... sea</i> ..... | 33   |
| 16. <i>Sweet is the ship, that under sail</i> .....                        | 35   |
| 17. <i>How sweet in the woodlands</i> .....                                | 38   |
| 18. <i>Braw, braw lads on Yarrow braes</i> .....                           | 40   |

|  |     |
|--|-----|
| 19. <i>Mary's charms subdued my breast</i> .....           | 41  |
| 20. <i>The golden days of good Queen Bess</i> .....        | 42  |
| 21. <i>Ere around the huge oak</i> .....                   | 45  |
| 22. <i>I had a horse, and I had nae mair</i> .....         | 46. |
| 23. <i>O poortith cauld, and restless love</i> .....       | 48  |
| 24. <i>One day I heard Mary say</i> .....                  | 50  |
| 25. <i>The braes of Yarrow</i> .....                       | 52  |
| 26. <i>Gude forgi'e me for lyin'</i> .....                 | 54  |
| 27. <i>Here awa, there awa</i> .....                       | 56  |
| 28. <i>Oh no, my love, no</i> .....                        | 57  |
| 29. <i>Jenny's bawbee</i> .....                            | 59  |
| 30. <i>Ye sportsmen draw near</i> .....                    | 62  |
| 31. <i>Willie was a wanton wag</i> .....                   | 65  |
| 32. <i>What beauties does Flora disclose</i> .....         | 68  |
| 33. <i>When Maggie and I were acquaint</i> .....           | 70  |
| 34. <i>To fair Fidele's grassy tomb</i> .....              | 71  |
| 35. <i>How stands the glass around</i> .....               | 73  |
| 36. <i>The Birks of Invermay</i> .....                     | 75  |
| 37. <i>A jolly Jack tar, but a little time since</i> ..... | 77  |
| 38. <i>Down the burn, and through the mead</i> .....       | 80  |
| 39. <i>O saw ye my father</i> .....                        | 82  |
| 40. <i>How sweet's the love that meets return</i> .....    | 83  |
| 41. <i>'Twas near a thicket's calm retreat</i> .....       | 85  |
| 42. <i>Were I oblig'd to beg my bread</i> .....            | 87  |
| 43. <i>My laddie is gone far away o'er the plain</i> ....  | 89  |
| 44. <i>The Highland Laddie</i> .....                       | 92  |
| 45. <i>The Highland Lassie</i> .....                       | 94  |

|   |     |
|---|-----|
| 46. <i>The last time I came o'er the muir.....</i>        | 96  |
| 47. <i>The yellow hair'd laddie.....</i>                  | 98  |
| 48. <i>Kath'rine Ogie.....</i>                            | 101 |
| 49. <i>Highland Mary.....</i>                             | 104 |
| 50. <i>Cease rude Boreas.....</i>                         | 106 |
| 51. <i>In storms, when clouds obscure the sky.....</i>    | 110 |
| 52. <i>Tho' winter spreads her drear domain.....</i>      | 112 |
| 53. <i>Blow high, blow low.....</i>                       | 113 |
| 54. <i>When 'tis night, and the mid watch is come....</i> | 116 |
| 55. <i>Twine weel the plaiden.....</i>                    | 118 |
| 56. <i>The blathrie o't.....</i>                          | 120 |
| 57. <i>Wherever I'm going, and all the day long....</i>   | 122 |
| 58. <i>You know I'm your priest.....</i>                  | 124 |
| 59. <i>Busk ye, bush ye.....</i>                          | 126 |
| 60. <i>Open the door to me, O.....</i>                    | 128 |
| 61. <i>Nothing like grog.....</i>                         | 129 |
| 62. <i>Ah, Cloris, could I now but sit.....</i>           | 132 |
| 63. <i>Blythe young Bess to Jean did say.....</i>         | 134 |



170  
171  
172  
173  
174  
175  
176  
177  
178  
179  
180  
181  
182  
183  
184  
185  
186  
187  
188  
189  
190  
191  
192  
193  
194  
195  
196  
197  
198  
199  
200  
201  
202  
203  
204  
205  
206  
207  
208  
209  
210  
211  
212  
213  
214  
215  
216  
217  
218  
219  
220  
221  
222  
223  
224  
225  
226  
227  
228  
229  
230  
231  
232  
233  
234  
235  
236  
237  
238  
239  
240  
241  
242  
243  
244  
245  
246  
247  
248  
249  
250  
251  
252  
253  
254  
255  
256  
257  
258  
259  
260  
261  
262  
263  
264  
265  
266  
267  
268  
269  
270  
271  
272  
273  
274  
275  
276  
277  
278  
279  
280  
281  
282  
283  
284  
285  
286  
287  
288  
289  
290  
291  
292  
293  
294  
295  
296  
297  
298  
299  
300  
301  
302  
303  
304  
305  
306  
307  
308  
309  
310  
311  
312  
313  
314  
315  
316  
317  
318  
319  
320  
321  
322  
323  
324  
325  
326  
327  
328  
329  
330  
331  
332  
333  
334  
335  
336  
337  
338  
339  
340  
341  
342  
343  
344  
345  
346  
347  
348  
349  
350  
351  
352  
353  
354  
355  
356  
357  
358  
359  
360  
361  
362  
363  
364  
365  
366  
367  
368  
369  
370  
371  
372  
373  
374  
375  
376  
377  
378  
379  
380  
381  
382  
383  
384  
385  
386  
387  
388  
389  
390  
391  
392  
393  
394  
395  
396  
397  
398  
399  
400  
401  
402  
403  
404  
405  
406  
407  
408  
409  
410  
411  
412  
413  
414  
415  
416  
417  
418  
419  
420  
421  
422  
423  
424  
425  
426  
427  
428  
429  
430  
431  
432  
433  
434  
435  
436  
437  
438  
439  
440  
441  
442  
443  
444  
445  
446  
447  
448  
449  
450  
451  
452  
453  
454  
455  
456  
457  
458  
459  
460  
461  
462  
463  
464  
465  
466  
467  
468  
469  
470  
471  
472  
473  
474  
475  
476  
477  
478  
479  
480  
481  
482  
483  
484  
485  
486  
487  
488  
489  
490  
491  
492  
493  
494  
495  
496  
497  
498  
499  
500  
501  
502  
503  
504  
505  
506  
507  
508  
509  
510  
511  
512  
513  
514  
515  
516  
517  
518  
519  
520  
521  
522  
523  
524  
525  
526  
527  
528  
529  
530  
531  
532  
533  
534  
535  
536  
537  
538  
539  
540  
541  
542  
543  
544  
545  
546  
547  
548  
549  
550  
551  
552  
553  
554  
555  
556  
557  
558  
559  
550  
551  
552  
553  
554  
555  
556  
557  
558  
559  
560  
561  
562  
563  
564  
565  
566  
567  
568  
569  
560  
561  
562  
563  
564  
565  
566  
567  
568  
569  
570  
571  
572  
573  
574  
575  
576  
577  
578  
579  
580  
581  
582  
583  
584  
585  
586  
587  
588  
589  
590  
591  
592  
593  
594  
595  
596  
597  
598  
599  
590  
591  
592  
593  
594  
595  
596  
597  
598  
599  
600  
601  
602  
603  
604  
605  
606  
607  
608  
609  
600  
601  
602  
603  
604  
605  
606  
607  
608  
609  
610  
611  
612  
613  
614  
615  
616  
617  
618  
619  
610  
611  
612  
613  
614  
615  
616  
617  
618  
619  
620  
621  
622  
623  
624  
625  
626  
627  
628  
629  
620  
621  
622  
623  
624  
625  
626  
627  
628  
629  
630  
631  
632  
633  
634  
635  
636  
637  
638  
639  
630  
631  
632  
633  
634  
635  
636  
637  
638  
639  
640  
641  
642  
643  
644  
645  
646  
647  
648  
649  
640  
641  
642  
643  
644  
645  
646  
647  
648  
649  
650  
651  
652  
653  
654  
655  
656  
657  
658  
659  
650  
651  
652  
653  
654  
655  
656  
657  
658  
659  
660  
661  
662  
663  
664  
665  
666  
667  
668  
669  
660  
661  
662  
663  
664  
665  
666  
667  
668  
669  
670  
671  
672  
673  
674  
675  
676  
677  
678  
679  
670  
671  
672  
673  
674  
675  
676  
677  
678  
679  
680  
681  
682  
683  
684  
685  
686  
687  
688  
689  
680  
681  
682  
683  
684  
685  
686  
687  
688  
689  
690  
691  
692  
693  
694  
695  
696  
697  
698  
699  
690  
691  
692  
693  
694  
695  
696  
697  
698  
699  
700  
701  
702  
703  
704  
705  
706  
707  
708  
709  
700  
701  
702  
703  
704  
705  
706  
707  
708  
709  
710  
711  
712  
713  
714  
715  
716  
717  
718  
719  
710  
711  
712  
713  
714  
715  
716  
717  
718  
719  
720  
721  
722  
723  
724  
725  
726  
727  
728  
729  
720  
721  
722  
723  
724  
725  
726  
727  
728  
729  
730  
731  
732  
733  
734  
735  
736  
737  
738  
739  
730  
731  
732  
733  
734  
735  
736  
737  
738  
739  
740  
741  
742  
743  
744  
745  
746  
747  
748  
749  
740  
741  
742  
743  
744  
745  
746  
747  
748  
749  
750  
751  
752  
753  
754  
755  
756  
757  
758  
759  
750  
751  
752  
753  
754  
755  
756  
757  
758  
759  
760  
761  
762  
763  
764  
765  
766  
767  
768  
769  
760  
761  
762  
763  
764  
765  
766  
767  
768  
769  
770  
771  
772  
773  
774  
775  
776  
777  
778  
779  
770  
771  
772  
773  
774  
775  
776  
777  
778  
779  
780  
781  
782  
783  
784  
785  
786  
787  
788  
789  
780  
781  
782  
783  
784  
785  
786  
787  
788  
789  
790  
791  
792  
793  
794  
795  
796  
797  
798  
799  
790  
791  
792  
793  
794  
795  
796  
797  
798  
799  
800  
801  
802  
803  
804  
805  
806  
807  
808  
809  
800  
801  
802  
803  
804  
805  
806  
807  
808  
809  
810  
811  
812  
813  
814  
815  
816  
817  
818  
819  
810  
811  
812  
813  
814  
815  
816  
817  
818  
819  
820  
821  
822  
823  
824  
825  
826  
827  
828  
829  
820  
821  
822  
823  
824  
825  
826  
827  
828  
829  
830  
831  
832  
833  
834  
835  
836  
837  
838  
839  
830  
831  
832  
833  
834  
835  
836  
837  
838  
839  
840  
841  
842  
843  
844  
845  
846  
847  
848  
849  
840  
841  
842  
843  
844  
845  
846  
847  
848  
849  
850  
851  
852  
853  
854  
855  
856  
857  
858  
859  
850  
851  
852  
853  
854  
855  
856  
857  
858  
859  
860  
861  
862  
863  
864  
865  
866  
867  
868  
869  
860  
861  
862  
863  
864  
865  
866  
867  
868  
869  
870  
871  
872  
873  
874  
875  
876  
877  
878  
879  
870  
871  
872  
873  
874  
875  
876  
877  
878  
879  
880  
881  
882  
883  
884  
885  
886  
887  
888  
889  
880  
881  
882  
883  
884  
885  
886  
887  
888  
889  
890  
891  
892  
893  
894  
895  
896  
897  
898  
899  
890  
891  
892  
893  
894  
895  
896  
897  
898  
899  
900  
901  
902  
903  
904  
905  
906  
907  
908  
909  
900  
901  
902  
903  
904  
905  
906  
907  
908  
909  
910  
911  
912  
913  
914  
915  
916  
917  
918  
919  
910  
911  
912  
913  
914  
915  
916  
917  
918  
919  
920  
921  
922  
923  
924  
925  
926  
927  
928  
929  
920  
921  
922  
923  
924  
925  
926  
927  
928  
929  
930  
931  
932  
933  
934  
935  
936  
937  
938  
939  
930  
931  
932  
933  
934  
935  
936  
937  
938  
939  
940  
941  
942  
943  
944  
945  
946  
947  
948  
949  
940  
941  
942  
943  
944  
945  
946  
947  
948  
949  
950  
951  
952  
953  
954  
955  
956  
957  
958  
959  
950  
951  
952  
953  
954  
955  
956  
957  
958  
959  
960  
961  
962  
963  
964  
965  
966  
967  
968  
969  
960  
961  
962  
963  
964  
965  
966  
967  
968  
969  
970  
971  
972  
973  
974  
975  
976  
977  
978  
979  
970  
971  
972  
973  
974  
975  
976  
977  
978  
979  
980  
981  
982  
983  
984  
985  
986  
987  
988  
989  
980  
981  
982  
983  
984  
985  
986  
987  
988  
989  
990  
991  
992  
993  
994  
995  
996  
997  
998  
999  
990  
991  
992  
993  
994  
995  
996  
997  
998  
999  
1000

---

THE

# B R I T I S H

## MUSICAL MISCELLANY.

---

### SONG I.

*The Soldier's Return.*

*For two Voices, or two Flutes.*

The musical score consists of two staves of music in common time (indicated by 'C') and treble clef. The first staff begins with a sharp sign (\*), while the second staff begins with a double sharp sign (\*\*). The lyrics are integrated into the music, appearing below the notes. The first section of lyrics is:

When wild war's deadly blasts were blawn,

The second section of lyrics is:

And gen-tle peace re - - turn - ing, And eyes

A



a - gain wi' plea-sure beam'd, That had been



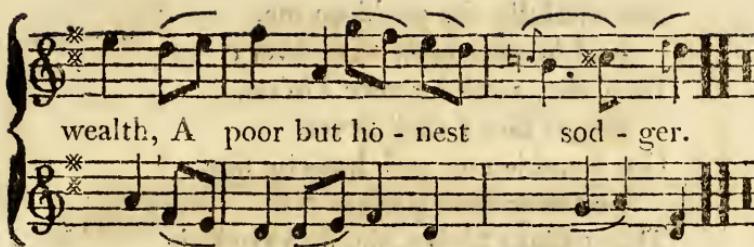
blear'd wi' mourn-ing. I left the lines



and tent - ed fields, Where lang I'd been a



lodg-er ; A hum - ble knap-sack a' my



A leel light heart beat in my breast,  
My hands unstain'd wi' plunder ;  
And to dear Scotia hame again  
I clearly on did wander.  
I thought upon the banks o' Coil,  
I thought upon my Nancy,  
I thought upon her witching smile  
That caught my youthfu' fancy.  
  
At length I reach'd the bonny glen  
Where early life I sported,  
I pass'd the mill and trysting thorn,  
Where Nancy oft I courted.  
Wha spied I but mine ain dear maid  
Down by her mother's dwelling !  
And turn'd me round to hide the flood  
That in my een was swelling.  
  
Wi' alter'd voice, quoth I, sweet lass,  
Sweet as yon hawthorn blossom,  
O ! happy, happy may he be  
That's dearest to thy bosom.  
My purse is light, I've far to gang,  
Fain wad I be thy lodger ;  
I've serv'd my king and country lang,  
Take pity on a sodger.

Sae wistfully she gaz'd on me,  
And lovelier grew than ever;  
Quo' she, a soldier ance I lo'ed,  
Forget him I shall never.  
Our humble cot, and hamely fare,  
Ye freely shall partake o't.  
That gallant badge, the dear cockade,  
You're welcome for the sake o't.

She gaz'd——she redd'n'd like a rose,  
Syne pale like any lily,  
She sunk within mine arms, and cry'd,  
Art thou mine ain dear Willie?  
By him who made yon sun and sky,  
By whom true love's regarded,  
I am the man!——and thus may still  
True lovers be rewarded.

The wars are o'er and I'm come hame,  
And find thee still true hearted;  
Tho' poor in gear, we're rich in love,  
And mair, we'se ne'er be parted.  
Quo' she, My grandsire left me gowd,  
And mailin plenished fairly;  
Come then, my faithfu' soldier lad,  
Thou'rt welcome to it dearly.

For gold the merchant ploughs the main,  
The farmer ploughs the manor;  
But glory is the soldier's prize,  
The soldier's wealth is honour.  
The brave poor soldier ne'er despise,  
Nor count him as a stranger;  
Remember, he's his country's stay,  
In day and hour of danger.

## SONG II.

*I Lo'ed ne'er a Laddie but ane.*

I lo'ed ne'er a laddie but ane, He lo'ed ne'er  
 a lassie but me; He's willing to mak me his  
 ain, And his ain I am willing to be. He has  
 bought me a rockly o' blue, And a pair o' mit-tins o'  
 green, The price was a kiss o' my mou, And I  
 paid him the debt yes-treeen.

Let ithers brag weel o' their gear,  
 Their land, and their lordly degree,  
 I carena for ought but my dear,  
 For he's ilka thing lordly to me;

His words mair than sugar are sweet,  
 His sense drives ilk fear far awa' ;  
 I listen, poor fool ! and I greet,  
 Yet how sweet are the tears as they fa' !

“ Dear lassie,” he cries wi’ a jeer,  
 “ Ne’er heed what the auld anes will say ;  
 “ Tho’ we’ve little to brag o’, ne’er fear,  
 “ What’s gowd to a heart that is wae ?  
 “ Our laird has baith honours and wealth,  
 “ Yet see ! how he’s dwining wi’ care ;  
 “ Now we, tho’ we’ve naething but health,  
 “ Are cantie and leil evermair.

“ O Menie ! the heart that is true,  
 “ Has something mair costly than gear,  
 “ Ilk e’en it has naething to rue,  
 “ Ilk morn it has naething to fear,  
 “ Ye wardlings ! gae hoard up your store,  
 “ And tremble for fear ought ye tyne :  
 “ Guard your treasures wi’ lock, bar, and door,  
 “ While thus in my arms I lock ‘mine.”

He ends wi’ a kiss and a smile,  
 Wae’s me ! can I tak it amiss,  
 When a lad, sae unpractis’d in guile,  
 Smiles saftly, and ends wi’ a kiss !  
 Ye lasses, who lo’e to torment  
 Your lemans wi’ fause scorn and strife,  
 Play your pranks,—for I’ve gi’en my consent,  
 And this night I’ll take Jamie for life.

## SONG III.

*The Sailor's Epitaph.*

Here, a sheer hulk, lies poor Tom Bowling, The



dar-ling of our crew ; No more he'll hear



the tem-pest how-ling, For death has brought



him to. His form was of the man-liest beau-



ty, His heart was kind and soft ; Faith - ful

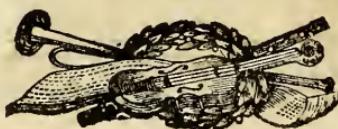


be - low he did his du - ty, And now

he's gone a - - loft. And now he's gone  
a - loft.

Tom never from his word departed,  
His virtues were so rare,  
His friends were many, and true-hearted,  
His Poll was kind and fair ;  
And then he'd sing so blythe and jolly,  
Ah many's the time and oft !  
But mirth is turn'd to melancholy,  
For Tom is gone aloft.

Yet shall Poor Tom find pleasant weather,  
When he who all commands,  
Shall give, to call life's crew together,  
The word to pipe all hands.  
Thus death, who kings and tars dispatches,  
In vain Tom's life has doff'd ;  
For, tho' his body's under hatches,  
His soul is gone aloft.



## SONG IV.

*Tammy's Courtship.*

O whare ha'e ye been a' day, my boy Tam-  
my? Whare ha'e ye been a' day, my boy Tam-my?  
I've been by burn and flow'ry brae, Meadow green,  
and mountain grey, Courting a wi' young thing  
just come frae her mam-my.

And whare gat ye that young thing, my boy Tammy?  
And whare gat ye that young thing, my boy Tammy?

I gat her down in yonder howe,  
Smiling on a broomy knowe,  
Herding a wee lamb and ewe, for her poor Mammy.

What said ye to that young thing, my boy Tammy?  
What said ye to that young thing, my boy Tammy?

I prais'd her een sae bonny blue,  
 Her dimpled cheek, and cherry mou' ;  
 I pree'd it aft, as ye may trow ; she said she'd tell her  
 Mammy.

I held her to my beating breast ; “ My young, smiling Lammy,  
 I held her to my beating breast ; “ My young, smiling Lammy,  
 “ I ha'e a house, it cost me dear,  
 “ I've walth o' plenishin' and gear,  
 “ Ye'se get it a', war't ten times mair, gin ye will  
 “ leave your Mammy.”

The smile gade aff her bonny face ; “ I manna leave  
 “ my Mammy ;  
 The smile gade aff her bonny face ; “ I manna leave  
 “ my Mammy ;  
 “ She's gi'en me meat, she's gi'en me claise,  
 “ She's been my comfort a' my days,  
 “ My daddy's death brought mony waes ; I canna  
 “ leave my Mammy.”  
 “ We'll tak' her hame, and mak' her fain, my ain  
 “ kind hearted Lammy ;  
 “ We'll tak' her hame, and mak' her fain, my ain  
 kind hearted Lammy :  
 “ We'll gi'e her meat ; we'll gi'e her claise ;  
 “ We'll be her comfort a' her days ;”  
 The wee thing gi'es her hand, and says, “ There !  
 “ gang and ask my Mammy.

## SONG V.

*My Nannie, O.*

Behind yon hills where riv'lets row, Are  
 moors an' moss-es many, O, The wint'ry  
 sun the day has clos'd, and I'll a-way to  
 Nannie, O. The wastlin winds blaws loud and  
 shill, The night's baith mirk and rai - ny, O ;  
 I'll get my plaid, and out I'll steal, And  
 o'er the hills to Nan - nie, O. To Nan-nie, O,



to Nannie, O. I'll get my plaid, and out



I'll steal, And o'er the hill to Nannie, O.

A country lad is my degree,

And few there be that ken me, O ;

But what care I how few they be,

I'm welcome ay to Nannie, O.

My riches a 's my penny fee,

And I maun guide it cannie, O ;

But warld's gear ne'er troubles me,

My thoughts are a' my Nannie, O.

My Nannie's charming, sweet, and young ;

Nae artfu' wiles to win ye, O :

May ill befa' the flattering tongue,

That wad beguile my Nannie, O.

Her face is fair, her heart is true,

As spotless as she's bonnie, O ;

The op'ning gowan, wat wi' dew,

Nae purer is than Nannie, O.

Our auld Guidman delights to view,

His sheep an' kye thrive bonnie, O ;

But I'm as blythe that hauds his pleugh,

An' has nae care but Nannie, O.

Come weel, come wae, I care na by,

I'll tak what Heav'n will send me, O ;

Nae ither care in life ha'e I,

But to live, and love my Nannie, O.

## SONG VI.

*Black ey'd Susan.*

All in the Downs the fleet was moor'd, The



streamers wav - ing in the wind, When black-



ey'd Su - san came on board, Oh ! where shall



I my true love find ? Tell me, ye jo - vial



sai - lors, tell me true, Does my sweet



Wil - liam, Does my sweet Wil - liam sail a-



mong your crew ?

William, who high upon the yard,  
 Rock'd with the billows to and fro,  
 Soon as her well-known voice he heard,  
 He sigh'd, and cast his eyes below ;  
 The cord slides swiftly thro' his glowing hands,  
 And, quick as lightning, on the deck he stands.

So the sweet lark, liigh pois'd in air,  
 Shuts close his pinions to his breast,  
 If chance his mate's shrill cry he hear,  
 And drops into her welcome nest,  
 The noblest captain in the British fleet,  
 Might envy William's lips those kisses sweet.

O Susan, Susan, lovely dear,  
 My vows shall ever true remain ;  
 Let me kiss off that falling tear,  
 We only part to meet again ;  
 Change as ye list, ye winds, my heart shall be  
 The faithful compass that still points to thee.

Believe not what the landsmen say,  
 Who tempt with doubts thy constant mind ;  
 They'll tell thee, sailors, when away,  
 In ev'ry port a mistress find—  
 Yes, yes, believe them, when they tell thee so,  
 For thou are present wheresoe'er I go.

If to fair India's coast we sail,  
 Thy eyes are seen in diamonds bright :  
 Thy breath in Afric's spicy gale ;  
 Thy skin in ivory so white :  
 Thus, ev'ry beauteous object that I view,  
 Wakes in my soul some charms of lovely Sue.

Tho' battles call me from thy arms,  
 Let not my pretty Susan mourn ;  
 Tho' cannons roar, yet safe from harms,  
 William shall to his dear return :  
 Love turns aside the balls that round me fly,  
 Lest precious tears should drop from Susan's eye.

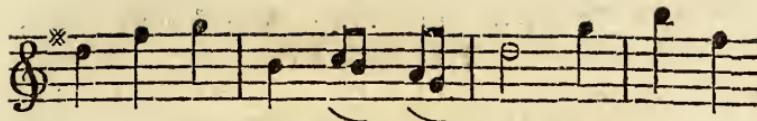
The boatswain gave the dreadful word;  
 The sails their swelling bosom spread ;  
 No longer must she stay aboard :  
 They kiss'd ; she sigh'd ; he hung his head.  
 Her less'ning boat unwilling rows to land ;  
 Adieu ! she cries ; and wav'd her lily hand.



## SONG VII.

*Ye Mortals whom Fancies.*

Ye mortals whom fancies and trou - bles  
 per - plex, Whom folly misguides, and in - fir -  
 mi - ties vex, Whose lives hardly know what it  
 is to be blest, Who rise without joy, and  
 lie down without rest ; O - bey the glad sum -  
 mons, to Le - the re-pair, Drink deep of the  
 stream, and for - get all your care. Drink deep of the



streams; and for - get all your care. Drink deep of

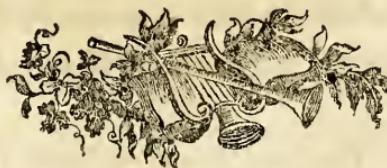


the streams, and for - get all your care.

Old maids shall forget what they wish for in vain,  
And young ones the rover they cannot regain ;  
The rake shall forget how last night he was cloy'd,  
And Chloe again be with rapture enjoy'd :  
Obey then the summons, to Lethe repair,  
And drink an Oblivion to trouble and care.

The wife at one draught may forget all her wants,  
Or drench her fond fool, to forget her gallants ;  
The troubled in mind shall go cheerful away,  
And yesterday's wretch be quite happy to-day ;  
Obey then the summons, to Lethe repair,  
Drink deep of the streams and forget all your care.

C



## SONG VIII.

*Paddy's Description of Pizarro.*

From the country of Monaghan lately I  
 came ! The har - vest to reap; Mas - ter Doo-dy's  
 my name ; My cou-sin Shaugh-nos-sy I met  
 t'other day ! Says he, Won't you go to the  
 Drury-lane play ? Tol de rol la, Tol de  
 rol la ra la, tol de rol la ra la, la ra la, la.

I'st the play that you mean ?—Arrah, Doody you're right,  
 Where they treat the whole Town with *Pizarro* to-night.

Och ! says I, if they treat me, the thing's nate and clean.  
But the treat, as he call'd it, cost me a Thirteen.

The great green thing drew up, and a lady I spy'd ;  
A man came to kiss her, she scornfully cry'd—  
Get out you blackguard, or I'll bodder your gig :  
Then in came *Pizarro*, who growl'd like a pig.

In the days of Old Goree, a long time ago,  
The Spaniards all march'd to Peru, you must know ;  
Saying, Give us your jewels, your cash, and your keys ;  
But a man they call'd *Rolla*, said, No, if you please.

This *Rolla* a star in the day-time appear'd,  
And in a long speech he the soldiers thus cheer'd ;  
Saying—Lather the Dons, you must do the nate thing,  
For who wou'd not die for their country and king ?

Then Och ! what a hubbub, confusion and strife !  
And *Rolla*, God bless him ! he sav'd the King's life :  
Then went to *Alonzo*, coop'd up in a jail,  
And sending him off, staid himself in for bail,

Then *Pizarro* came forward, and with a gossoon,  
Which was handled by *Rolla* as I would a spoon—  
But as he was scaling a bridge o'er the greens,  
He was shot by a rogue from behind all the screens.

Then *Rolla* came running, and with him the child,  
And he look'd all the world just as if he was wild ;  
Saying—Take the dear creature, it's my blood that's  
spilt,  
In defence of your child, blood and ouns, how I'm kilt !

Then *Alonzo* gave Paddy *Pizarro* a blow,  
Which laid him as dead as Old Bryan Barrow ;

And poor *Rolla's* body was laid out in state,  
And twenty fair virgins all join'd at his wake.

Then *Alonzo* came forward, and handsomely bow'd,  
Saying, Ladies and Gentlemen, (meaning the crowd),  
All with your permission to-morrow night then,  
We'll murder *Pizarro* all over again.



## SONG X,

*A' body's like to be Married but me.*

The musical notation consists of six staves of music. The first staff begins with a treble clef, a key signature of one sharp, and a common time signature. The second staff begins with a bass clef and a common time signature. The third staff begins with a treble clef and a common time signature. The fourth staff begins with a bass clef and a common time signature. The fifth staff begins with a treble clef and a common time signature. The sixth staff begins with a bass clef and a common time signature.

As Jen - ny sat down wi' her wheel by the  
 fire, And thought of the time that was fast fleein'  
 by, She said to her-sel' wi' a hea-vy heigh  
 hee, O, a' bo-dy's like to be mar-ried but  
 me ! She said to her-sel' wi' a hea-vy heigh  
 hee, O, a' bo-dy's like to be mar-ried but me !

My youthfu' companions are a' worn awa',  
 And tho' I've had wooers mysel', ane or twa,  
 Yet a lad to my mind I ne'er yet could see :  
 O, a' body's like to be married but me !

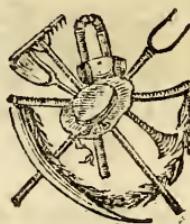
There's Lowrie the Lawyer would ha'e me fu' fain,  
 Who has baith a house and a yard o' his ain ;  
 But before I'd gang to it, I rather would die ;  
 A wi' stumpin' body ! he'll neyer get me !

There's Dickie, my cousin, frae Lun'on come down,  
 Wi' fine yellow buckskins that dazzled the town ;  
 But poor deevil, he got ne'er a blink o' my e'e :  
 O, a' body's like to be married but me !

But I saw a lad by yon saughy burn side,  
 Wha weel wad deserve ony Queen for his bride ;  
 Gin I had my will soon his ain I would be :  
 O, a' body's like to be married but me !

I gied him a look, as a kind lassie shou'd,  
 My friends if they kend it would surely rin wud,  
 For tho' bonny and good, he's no worth a babee :  
 O, a' body's like to be married but me !

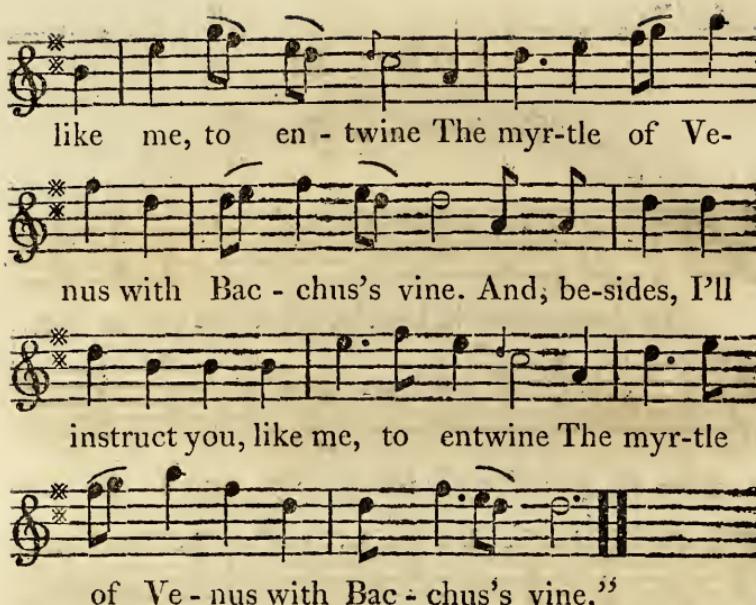
'Tis hard to tak shelter behint a leigh dike,  
 'Tis hard for to tak ane we never can like,  
 'Tis hard for to leave ane we fain would be wi' ;  
 Yet its harder that a' shou'd be married but me !



## SONG XI.

*To Anacreon in Heaven.*

To An-a-creon in heav'n, where he sat in full  
 glee, A few sons of har-mo-ny sent a pe - ti-  
 tion, That he their in-spir'er and pa-tron would  
 be ; When this an-swer ar-riv'd from the jolly  
 old Grecian : " Voice, fiddle, and flute, No  
 longer be mute, I'll lend you my name, and in-  
 spire ye to boot: And, be-sides, I'll instruct you



The news through Olympus immediately flew,  
When old Thunder pretended to give himself airs—  
“ If these mortals are suffer'd their plans to pursue,  
The devil a goddess will stay above stairs.

Hark ! already they cry,  
(In transports of joy)

Away to the sons of Anacreon we'll fly ;  
And there with good fellows, we'll learn to entwine  
The myrtle of Venus with Bacchus's vine.

“ The yellow-hair'd god and his nine fusty maids,  
From Helicon's banks will incontinent flee ;  
Idalia will boast but of tenantless shades,  
And the bi-forked hill, a mere desert will be :  
My thunder, no fear on't,  
Will soon do its errand,  
And d—me, I'll swinge the ring-leaders I warrant ;  
I'll trim the young dogs for thus daring to twine  
The myrtle of Venus with Bacchus's vine.”

Apollo rose up, and said, "Pry'thee, ne'er quarrel,  
 Good king of the gods, with my vot'ries below ;  
 Your thunder is useless." Then shewing his laurel,  
 Cried, "*Sic evitable fulmen*, you know !

Then over each head,  
 My laurel I'll spread,

So my sons from your crackers no mischief shall dread,  
 Whilst, sung in their club-room, they jovially twine  
 The myrtle of Venus with Bacchus's vine."

Next Momus got up, with his risible phiz,  
 And swore with Apollo he'd cheerfully join—  
 "The full tide of harmony still shall be his,  
 But the song, and the catch, and the laugh shall  
 be mine.

Then Jove be not jealous,  
 Of these honest fellows."

Cried Jove, "We relent, since the truth you now  
 tell us ;

And swear by old Styx, that they long shall entwine  
 The myrtle of Venus with Bacchus's vine."

Ye sons of Anacreon, then join hand in hand,  
 Preserve unanimity, friendship, and love ;  
 'Tis your's to support what's so happily plann'd :  
 You've the sanction of gods, and the fiat of Jove.

While thus we agree,  
 Our toast let it be,

May our club flourish happy, united, and free !  
 And long may the sons of Anacreon twine  
 The myrtle of Venus with Bacchus's vine.

## SONG XII.

*The Sailor's Allegory.*

Life's like a ship in con - stant mo-tion,



Sometimes high and sometimes low ; Where ev'ry



one must brave the o - cean, What-so - e - ver



winds may blow. If un-as - sail'd by squall or



show - er, Waft-ed by the gen - tle gales,



Let's not lose the fav' - ring hour, Whilst

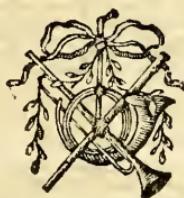


suc - cess at-tends our sails.

But if the wayward winds should bluster,  
 Let us not give way to fear ;  
 But let us all our patience muster,  
 And learn from reason how to steer :  
 Let judgment keep you ever steady,  
 That's a ballast seldom fails ;  
 If dangers rise, be ever ready  
 To manage well the swelling sails.

Trust not too much your own opinion,  
 Whilst your vessel's under way ;  
 Let good example bear dominion,  
 That's a compass will not stray,  
 When thund'ring tempests make you shudder,  
 Or Boreas o'er the surface rails,  
 Let good direction guide the rudder,  
 And Providence unbend the sails.

Then when you're safe from danger riding,  
 In some welcome port or bay,  
 Hope be the anchor you confide in,  
 And care awhile in slumbers lay ;  
 Then when each can's with liquor flowing,  
 And good fellowship prevails,  
 Let each heart with rapture glowing,  
 Drink success unto our sails.



## SONG XIII.

*De'il tak' the War.*

Dc'il tak' the war that hur-ry'd Wil - lie  
 frae me, Who to love me just had  
 sworn ; They made him cap - tain, sure to un -  
 do me, Wae is me, he'll ne'er re-turn.  
 A thou-sand loons abroad will fight him, He  
 from thousands ne'er will run ; Day and night  
 I did in-vite him To stay at hame frae

sword and gun. I us'd al-lur-ing gra-ces, Wi'  
mo-ny kind em-bra-ces, Now sighing, Now crying,  
Then tears dropping fall ; And had he my soft arms  
Preferr'd to war's a-larms, My love grown mad,  
With-out the man of Gad, I fear in my fit  
I had grant-ed all.

I wash'd and patch'd to make me look provoking ;  
Snares that they told me would catch the men ;  
And on my head a huge commode sat poking,  
Which made me shew as tall again :  
For a new gown, too, I paid muckle money,  
Which with golden flow'rs did shine ;

My love well might think me braw and bonny,

Nae Scots lass was e'er so fine.

My petticoat I spotted,

Fringe, too, with thread I knotted,

Lac'd shoes, and silken hose garter'd o'er the knee;

But oh ! the fatal thought !

To Willie these were nougnt ;

Who rode to towns, and rifled wi' dragoons,

When he, silly loon, might ha'e plunder'd me.



## SONG XIV.

*Kiss me Sal, and say, Adieu.*

See, sweet Sal, the boat is ready, Warde-mands that we should part, But thy Wil-liam, ev-er stea-dy, Seeks his trea - sure in thy heart. Ho-nour calls, while I am stay-ing, Griev'd my love, to part with you. Hark! they chide me for de-lay-ing;—Kiss me Sal, and say a-dieu.

Tho' proud France and Spain combining,  
Claim the sea where Britons reign ;  
British hearts and valour joining,  
Soon will drive them from the main :

Then, when peace her branch is waving,  
Wing'd with love I'll fly to you,  
Share with Sal my honest savings,  
Kiss—but never say adieu.



## SONG XV.

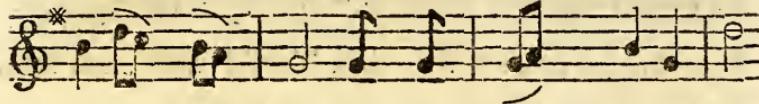
*Had Neptune, when first he took charge of the Sea.*



Had Neptune, when first he took charge of



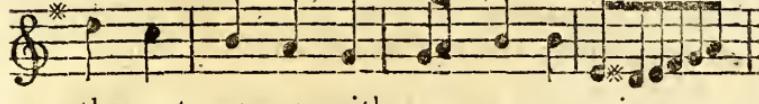
the sea, Been as wise, or at least been as



merry as we, He'd have thought better on't,



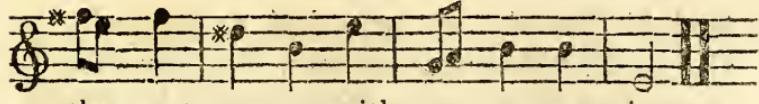
and in - stead of the brine, Would have fill'd



the vast o - cean with ge - ner - ous wine, - - -



- - - Would have fill'd



the vast o - cean with ge - ner - ous wine.

What trafficking then would have been on the main,  
 For the sake of good liquör as well as for gain ;  
 No fear then of tempest, or danger of sinking,  
 The fishes ne'er drown that are always a-drinking.

The hot thirsty sun would drive on with more haste,  
 Secure in the evening of such a repast ;  
 And when he'd got tipsey, would have taken his nap  
 With double the pleasure in Thetis's lap.

By the force of his rays, and thus heated with wine,  
 Consider how gloriously Phœbus would shine,  
 What vast exhalations he'd draw up on high  
 To relieve the poor earth as it wanted supply.

How happy us mortals, when bless'd with such rain,  
 To fill all our vessels, and fill 'em again ;  
 Nay, even the beggar, that wanted a dish,  
 Might jump into the river, and drink like a fish.

What mirth and contentment on ev'ry one's brow !  
 Hob as great as a prince, dancing after his plough ;  
 The birds in the air, as they play on the wing,  
 Although they but sip, would eternally sing.

The stars, (who, I think, don't to drinking incline),  
 Would frisk and rejoice at the fume of the wine ;  
 And merrily twinkling would soon let us know,  
 That they were as happy as mortals below.

Had this been the case, what had we enjoyed !  
 Our spirits still rising, our fancy ne'er cloy'd.  
 A pox then on Neptune, when 'twas in his pow'r,  
 To slip, like a fool, such a fortunate hour.

## SONG XVI.

*Sweet is the Ship that under Sail.*

Sweet is the ship that, un - der sail, Spreads  
her white bo - som to the gale ; Sweet,  
O, sweet's the flow-ing can; Sweet, O, sweet's  
the flow-ing can; Sweet to poise the lab'ring oar,  
That tugs us to our na-tive shore, When the  
boatswain pipes the barge to man. When the boat-  
swain pipes the barge to man, Sweet sail-ing with

a fav'ring breeze, But, Oh! much sweet-er  
than all these, But, Oh! much sweeter than all  
these, Is Jack's de-light, his love-ly Nan.

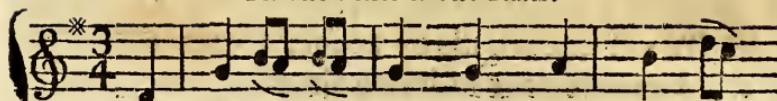
The needle, faithful to the north,  
To shew of constancy the worth,  
A curious lesson teaches man ;  
The needle, time may rust ; a squall  
Capsize the binnacle and all,  
Let Seamanship do all it can :  
My love in worth shall higher rise,—  
Nor time shall rust, nor squalls capsize  
My faith and truth to my lovely Nan.

When in the bilboes I was penn'd  
For serving of a worthless friend,  
And ev'ry creature from me ran ;  
No ship performing quarantine  
Was ever so deserted seen,  
None hail'd me, woman, child, nor man ;  
But though false friendship's sails were furl'd,  
Though cut adrift by all the world,  
I had all the world in lovely Nan.

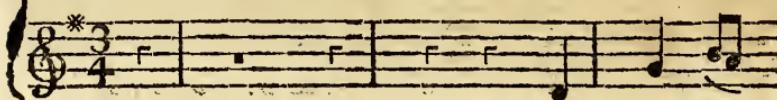
I love my duty, love my friend,  
Love truth and merit to defend,  
To mourn their loss who hazard ran ;  
I love to take an honest part,  
Love beauty and a spotless heart,  
By manners love to shew the man ;  
To sail through life by honour's breeze :—  
'Twas all along of loving these  
First made me doat on lovely Nan.



## SONG XVII.

*How sweet in the Woodlands.**For two Voices or two Flutes.*

How sweet in the woodlands, With fleet hound



and horn, To a-wak-en shrill e-cho, and



taste the fresh morn, But hard is the chase my



fond heart must pursue, For Daphne, fair Daph-

ne is lost to my view. Is lost, Fair Daph-

ne is lost to my view.

Assist me, chaste Dian, the nymph to regain,  
More wild than the roebuck, and wing'd with dis-  
dain :

In pity o'ertake her, who kills as she flies ;  
Tho' Daphne's pursued, 'tis Myrtilla that dies.



## SONG XVIII.

*Braw braw Lads o' Galla Water:*

Braw, braw lads on Yarrow braes, Ye wan-der  
 thro' the bloom-ing heather; But Yarrow braes nor  
 Et-trick shaws, Can match the lads on Gal-la  
 wa-ter.

But there is ane, a sacred ane,  
 Aboon them a' I lo'e him better,  
 And I'll be his, and he'll be mine,  
 The bonny lad o' Galla water.

Altho' his daddie is nae laird,  
 And tho' I ha'e nae muckle tocher,  
 Yet rich in kindest, truest love,  
 We'll tent our flocks by Galla water.

It ne'er was gold, it ne'er was wealth,  
 That coft contentment, peace, or pleasure;  
 The bands and bliss o' mutual love,  
 O ! that's the choicest warld's treasure.

## SONG XIX.

*Mary's Charms subdued my Breast.*

*To the foregoing Tune.*

MARY's charms subdued my breast,  
Her glowing youth, her manner winning ;  
My faithful vows I fondly press'd,  
And mark'd the sweet return beginning.

Fancy kindly on my mind  
Yet paints that ev'ning's dear declining,  
When raptur'd first I found her kind,  
Her melting soul to love resigning.

Years of nuptial bliss have roll'd,  
And still I've found her more endearing ;  
Each wayward passion she controul'd,  
Each anxious care, each sorrow cheering.

Children now in ruddy bloom,  
With artless look attention courting,  
With infant smiles dispel each gloom,  
Around our hut so gaily sporting.



## SONG XX.

*The Golden Days of good Queen Bess.*

To my muse give attention, and I deem it not  
 a mys-te-ry, If we jumble to-ge-ther  
 mu-sic, po-e-try, and his-to-ry; The times to  
 display in the days of Queen Bess, Sir, Whose  
 name and whose mem'ry pos-te-ri-ty may bless,  
 Sir : O the golden days of good Queen Bess! Merry  
 be the me-mo-ry of good Queen Bess.

Then we laugh'd at the bugbears of dons and armadas,  
 With their gun-powder puffs, and their blust'ring bra-  
 vados ; For we knew how to manage both the musket and the  
 bow, Sir,  
 And could bring down a Spaniard just as easy as a  
 crow, Sir.

O, the golden days, &c.

Then our streets were unpav'd, and our houses were  
 thatch'd, Sir,

Our windows were lattic'd, and our doors only latch'd,  
 Yet so few were the folk that would plunder or rob,  
 That the hangman was starving for want of a job, Sir.

O, the golden days, &c.

Then our Ladies with large ruffs, ty'd round about  
 the Neck fast,

Wou'd gobble up a pound of beef-steaks for their  
 breakfast,

While a close quill'd up coif, their noddles just did fit,  
 Sir,

And they truss'd up as tight, as a rabbit for the spit,  
 Sir.

O, the golden days &c.

Then jerkins, and doublets, and yellow worsted hose,  
 Sir,

With a huge pair of whiskers, was the dress of our  
 beaus, Sir,

Strong beer they prefer'd too, to claret or to hock, Sir,  
 And no poultry they priz'd, like the wing of an ox, Sir.

O, the golden days, &c.

Good neighbourhood then, was as plenty too as beef,  
 Sir,  
 And the poor from the rich never wanted relief, Sir ;  
 While merry went the mill clack, the shuttle, and the  
 plough, Sir,  
 And honest men could live by the sweat of their brow,  
 Sir.

O, the golden days, &c.

Then foot-ball, and wrestling, and pitching of the bar,  
 Sir,  
 Were preferr'd to a flute, to a fiddle, or guitar, Sir ;  
 And for jaunting, or junketting, the favourite regale,  
 Sir,  
 Was a walk as far as Chelsea, to demolish buns and  
 ale, Sir.

O, the golden days, &c.

Then the folks ev'ry Sunday went twice at least to  
 church, Sir,  
 And never left the parson nor the sermon in the lurch,  
 Sir ;  
 For they judg'd that the Sabbath was for people to be  
 good in, Sir,  
 And they thought it Sabbath-breaking if they din'd  
 without a pudding, Sir.

O, the golden days, &c.

Then our great men were good, and our good men  
 were great, Sir,  
 And the props of the nation were the pillars of the  
 State, Sir ;  
 For the sovereign and subject one interest supported,  
 And our powerful alliance by all powers then was  
 courted.

O, the golden days, &c.

## SONG XXI.

*Ere around the huge Oak.*

Ere around the huge oak, that o'er-sha-dows  
 yon mill, The fond i-vy had dar'd to en - twine ;  
 Ere the church was a ru-in that nods on  
 the hill, Or the rook built his nest on the  
 pine; Or the rook built his nest on the pine,

Could I trace back the time, a far distant date,  
 Since my fore-fathers toil'd in this field ;  
 And the farm I now hold on your honour's estate.  
 Is the same which my grandfather till'd.

He dying, bequeath'd to his son a good name,  
 Which unsullied descended to me ;  
 For my child I've preserv'd it unblemish'd with shame,  
 And it still from a spot shall be free.

## SONG XXII.

*I had a Horse, and I had nae mair.*

I had a horse, and I had nae mair, I gat  
 him frae my daddie ; My purse was light and my  
 heart was sair, But my wit it was fu' ready. So  
 I bethought me on a time, Outwit-tens o'  
 my daddie, To fee my-sel' to a la'lland  
 laird, Who had a bon-ny la-dy.

I wrote a letter, and thus began,  
 " Madam, be not offended,  
 " I'm o'er the lugs in love wi' you,  
 " And I care na' tho' ye kind it :

" For I get little frae the laird,  
 " And far less frae my daddy,  
 " And I would blythly be the man,  
 " Would strive to please my lady."

She read my letter, and she leugh ;  
 " Ye needna been sae blate, man,  
 " Ye might hae come to me yoursel',  
 " And tald me a' your state, man :  
 " Ye might ha'e come to me yoursel',  
 " Outwittens o' ony body,  
 " And made John Goukston o' the laird,  
 " And kiss'd his bonny lady."

Then she pat siller in my purse,  
 We drank wine in a coggie,  
 She fee'd a man to rub my horse,  
 And wow, but I was vogie !  
 But I ne'er gat sae sair a fleg  
 Since I cam frae my daddie,  
 The laird cam', rap ! rap ! to the yett  
 When I was wi' his lady.

Then she pat me in behint a chair,  
 And co'er'd me wi' a plaidie :  
 But I was like to swarf wi' fear,  
 An' wish'd me wi' my daddie !  
 The laird gied out, he saw na me,  
 I gade when I was ready :  
 I promis'd, but I ne'er gade back  
 To see his bonny lady.

## SONG XXIII.

*O Poortith cauld, and restless Love.*

*To the foregoing Tune.*

O, POORTITH cauld, and restless love,  
Ye break my peace between ye !  
Yet poortith a' I could forgive,  
If 't were na for my Jeannie.

*Chorus.*

O, why should fate sic pleasure have,  
Love's dearest band untwining !  
Or why sae sweet a flow'r as love  
Depend on fortune's shining.

This warld's wealth when I think on,  
Its pride, and a' the lave o't,  
Fie, fie, on silly coward man  
That he should be the slave o't.

O, why should fate, &c.

Her e'en, sae bonny blue, betray,  
How she repays my passion ;  
But prudence is her o'erword ay,  
She talks o' rank and fashion.

O, why should fate, &c.

O, wha can prudence think upon  
Wi' sic a lassie by him ;  
O, wha can prudence think upon  
And sae in love as I am.

O, why should fate, &c.

How blest the humble cotter's fate,  
He woo's his simple dearie,  
The silly bogles, wealth and state,  
Can never make him eerie.

Then why should fate sic pleasure have,  
Love's dearest band untwining !  
Or sic a tender flow'r as love  
Depend on fortune's shining ?



## SONG, XXIV.

*I'll never leave thee.*

One day I heard Ma-ry say, How shall I  
 leave thee ? Stay, dear-est A-do-nis, stay, Why  
 wilt thou grieve me ? A-las ! my fond  
 heart will break, If thou should leave me ;  
 I'll live and die for thy sake, Yet ne-  
 ver leave thee.

Say, lovely Adonis, say,  
 Has Mary deceiv'd thee ?  
 Did e'er her young heart betray  
 New love to grieve thee ?

My constant mind ne'er shall stray,  
 Thou may believe me ;  
 I'll love thee, lad, night and day,  
 And never leave thee,

Adonis, my charming youth,  
 What can relieve thee ?  
 Can Mary thy anguish soothe,  
 This breast shall receive thee,  
 My passion can ne'er decay,  
 Never deceive thee :  
 Delight shall drive pain away,  
 Pleasure revive thee,

But leave thee, lad, leave thee, lad,  
 How shall I leave thee ?

O ! that thought makes me sad ;  
 I'll never leave thee.

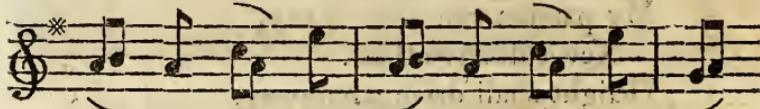
Where would my Adonis fly ?  
 Why does he grieve me ?  
 Alas ! my poor heart will die,  
 If I should leave thee,



## SONG XVII.

*The Braes of Yarrow.*

The sun just glancin' through the trees, Gave



light and joy to ilk - a grove, And plea-



sure in each south-ern breeze, Awak-en'd hope



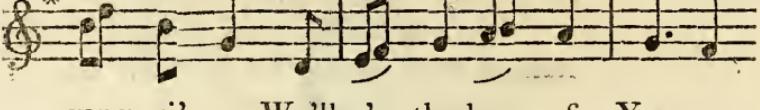
and slum-b'ring love. When Jen-ny sung with



hear-ty glee, To charm her winsome marrow, My



bon-ny lad-die, gang wi' me, My bonny lad-die,



gang wi' me, We'll o'er the braes of Yarrow:

My bon-ny lad-die, gang wi' me, We'll o'er the  
braes of Yarrow; We'll o'er the braes of Yarrow,  
We'll o'er the braes of Yarrow: My bonny laddie,  
gang wi' me, We'll o'er the braes of Yarrow.

Young Sandy was the blythest swain  
That ever pip'd on bonny brac;  
Nae lass could ken him free frae pain,  
Sae graceful, kind, sae fair and gay.

And Jenny sung, &c.

He kiss'd and lov'd the bonny maid,  
Her sparkling een had won his heart,  
No lass the youth had e'er betray'd:  
No fear had she, the lad no art.

And Jenny sung, &c.

## SONG XXVI.

*Gude forgi'e me for lyin'*

Ae day a braw woo-er cam down the lang



glen, An' sair wi' his love he did deave me; But



I said there was naithing I hated like men ! The



deuce tak him to believe me, be-lieve me ; The



deuce tak him to be - lieve me,

A weel stockit mailen, himsel' o't the laird,

A bridal aff hand was the proffer ;

I never loot on that I kend or I car'd,

But thought I might get a waur offer.

He spak o' the darts o' my bonny black een,

And how for my love he was dyin' :

I said he might die when he liket for Jean ;

The gude forgi'e me for lyin' !

But what do you think ! in a fortnight, or less,  
 (The de'il's in his taes to gang near her !)  
 He's down to the castle to black cousin Bess ;  
 Guess ye how the jade I could bear her.

Sae a' the niest ouk, as I fretted wi' care,  
 I gade to the tryste o' Dulgarlock ;  
 An' wha but my braw fickle wooer was there,  
 Wha glowr'd as if he'd seen a warlock.

Out o'er my left shouther I gade him a blink,  
 Lest nei'bours should think I was saucy :  
 My wooer he caper'd as he'd been in drink,  
 An' vow'd that I was his dear lassie,

I spier'd for my cousin, fu' couthie an' sweet,  
 If she had recover'd her hearing,  
 An' how my auld shoon fitted her shachel'd feet ?  
 Gude saf us ! how he fell a swearin'.

He begg'd me, for gudesake, that I'd be his wife,  
 Or else I would kill him wi' sorrow :  
 So just to preserve the poor body in life,  
 I think I shall wed him to-morrow.



## SONG XXVII.

*Here awa, there awa.*

Plaintive.

Here a - wa, there a-wa; here a - wa, Wil-lie,  
 Here a - wa, there a - wa, here a - wa hame,  
 Lang have I sought thee, dear have I bought thee,  
 Now I have gotten my Wil-lie a-gain.

Through the lang muir I follow'd my Willie,  
 Through the lang muir I follow'd him hame,  
 Whate'er betide us, nought shall divide us ;  
 Love now rewards all my sorrow and pain.

Here awa, there awa, here awa, Willie ;  
 Here awa, there awa, here awa hame :  
 Come, love, believe me, naithing can grieve me,  
 Ilka thing pleases when Willie's at hame.

## SONG XXVIII.

*Oh, no, my Love, no.*

Espressivo.

While I hang on your bo-som, dis-tract-ed  
 to lose you, High swells my sad heart, and  
 fast my tears flow; Yet think not of coldness  
 they fall to accuse you, Did I e - ver up - braid  
 you? Oh, no, my love, no. I own it would please  
 me at home could you tar-ry, Nor e'er feel a  
 wish from Ma-ri-a to go; But if it gives pleasure

to you, my dear Harry, Shall I blame your  
 departure? Oh, no, my love, no. Shall I  
 blame your departure? Oh, no, my love, no.

Now do not, dear Hal, while abroad you are straying,  
 That heart, which is mine, on a rival bestow ;  
 Nay, banish that frōwn, such displeasure betraying,  
 Do you think I suspect you ! Oh no, my love, no !  
 I believe you too kind, for one moment to grieve me,  
 Or plant in a heart which adores you, such woe ;  
 Yet, should you dishonour my truth and deceive me,  
 Shou'd I e'er cease to love you ! Oh no, my love no !



## SONG XXIX.

*Jenny's Bawbee.*

The musical score consists of six staves of music in common time (indicated by 'C') and G clef. The first staff begins with a sharp sign (\*). The lyrics are integrated into the music, aligned with specific notes. The lyrics are:

I met four chaps yon birks amang, Wi' hang-  
in' lugs an' faces lang ; I spier'd at neibour  
Bauldy Strang, What are they, these we see ? Quoth  
he, Ilk cream-fac'd pawky chiel' Thinks himsel'  
cunnin' as the de'il, An' here they cam a-wa'  
to steal Jen-ny's bawbee.

The first, a captain to his trade,  
Wi' ill-lin'd scull, and back weel clad,  
March'd round the burn, and by the shed,  
And papped on his knee ;

Quoth he, " My goddess, nymph, and queen,  
 " Your beauty's dazzl'd baith my een !"  
 But de'il a beauty he had seen  
 But Jenny's bawbee.

A Norland laird niest trotted up,  
 Wi' bassen'd nag, and siller whup ;  
 Cried, " Here's my beast, lad, had the grup,  
 " Or tie him to a tree ;  
 " What's gowd to me ? I've walth o' lan'—  
 " Bestow on ane o' worth your han' ?"  
 He thought to pay what he was awn'  
 Wi' Jenny's bawbee.

A lawyer niest, wi' blath'rin' gab,  
 Wi' speeches wove like ony wab ;  
 O' ilk ane's corn he took a dab,  
 And a' for a fee ;  
 Accounts he ow'd through a' the town,  
 And tradesmens' tongues nae mair could drown ;  
 But now he thought to clout his gown  
 Wi' Jenny's bawbee.

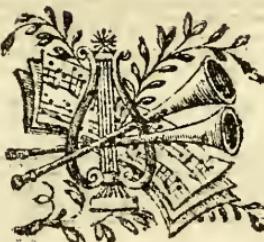
Quite spruce, just frae the washin' tubs,  
 A fool cam niest ; but life has rubs,  
 Foul were the roads, and fou the dubs,  
 And sair besmear'd was he :  
 He danc'd up, squintin' through a glass,  
 And grinn'd, " I' faith a bonny lass."  
 He thought to win, wi' front o' brass,  
 Jenny's bawbee.

She bade the laird gae kaim his wig,  
 The sodger not to strut sae big,  
 The lawyer not to be a prig :  
 The fool he cried, " Tee-hee !

" I kend that I could never fail :"  
 But she prinn'd the dish-clout to his tail,  
 And cool'd him wi' a water-pail,  
 And kept her bawbee.

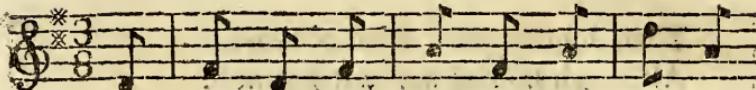
Then Johnny cam, a lad o' sense,  
 Although he had nae mony pence :  
 He took young Jenny to the spence,  
 Wi' her to crack a wee.

Now Johnny was a clever chiel',  
 And here his suit he press'd sae weel,  
 That Jenny's heart grew saft as jeel,  
 And birl'd her bawbee.



## SONG XXX.

*Ye Sportsmen draw near, and ye Sportswomen too,*



Ye sportsmen draw near, and ye sportsw-



men too, Who delight in the joys of the field :



Who delight in the joys of the field : Mankind,



tho' they blame, are all eager as you, And no one



the contest will yie - - - ld, And no one the



contest will yield. His lordship, his worship, his



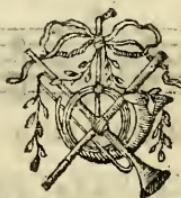
honour, his grace, A-hunting con - ti-nual - ly

go; All ranks and de-grees are en - gag'd in  
 the chace, With hark forward, huz-za, tally  
 ho - -, All ranks and de - gree's are en -  
 gag'd in the chace, hark for-ward, huz - za,  
 tally ho - -, tally ho, tally ho, tally ho, tally  
 ho, tally ho, tally ho, tally ho - -, Hark for -  
 ward, huzza, tally ho - - -.

The lawyer will rise with the first of the morn  
 To hunt for a mortgage or deed ;  
 The husband gets up at the sound of the horn,  
 And rides to the commons full speed ;

The patriot is thrown in pursuit of the game ;  
 The poet too often lies low,  
 Who, mounted on Pegasus, flies after fame,  
 With hark forward, huzza, tally ho.

While fearless o'er hills and o'er woodlands we sweep,  
 Tho' prudes on our pastime may frown,  
 How oft do they Decency's bounds overleap;  
 And the fences of Virtue break down ?  
 Thus public, or private, for pension, for place,  
 For amusement, for passion, for shew,  
 All ranks and degrees are engag'd in the chace;  
 With hark forward, huzza, tally ho.



## SONG XXXI:

*Willie was a Wanton Wag.*

Willy was a wan-ton wag, the blythest lad



that e'er I saw; At bri-dals still he bore



the brag; And car-ried ay the gree a-wa.



His doublet was of Zetland shag; And vow! but



Wil-ly he was braw; And at his shouther hang



a tag that pleas'd the lass - es best of a'.

<sup>2d Verse.</sup>



He was a man

I

He was a man without a clag,  
 His heart was frank without a flaw :  
 And ay whatever Willy said,  
 It was still hadden as a law.  
 His boots they were made of the jag,  
 When he went to the weapon-shaw ;  
 Upon the green nane durst him brag,  
 The fiend aane amang them a'.

And was not Willy well worth gowd,  
 He wan the love of great and sma' ;  
 For after he the bride had kiss'd,  
 He kiss'd the lasses hale-sale a'.  
 Sae merrily round the ring they row'd,  
 When by the hand he led them a' ;  
 And smack on smack on them bestow'd,  
 By virtue of a standing law.

And was na Willy a great lown,  
 As shyre a liek as e'er was seen ?  
 When he danc'd with the lasses round,  
 The bridegroom spier'd where he had been.  
 Quoth Willy, I've been at the ring,  
 With bobbing, faith, my shanks, are sair.  
 Gae ea' your bride and maidens in,  
 For Willy he dow do nae mair.

Then rest ye, Willy, I'll gae out,  
 And for a wee fill up the ring ;  
 But shame light on his souple snout,  
 He wanted Willy's wanton fling.  
 Then straight he to the bride did fare,  
 Says, well's me on your bonny face ;  
 With bobbing, Willy's shanks are sair,  
 And I'm come out to fill his place.

Bridegroom, she says you'll spoil the dance,  
And at the ring you'll ay be lag,  
Unless, like Willy, ye advance ;  
(O ! Willy has a wanton wag ?)  
For wi't he learns us a' to steer,  
And foremost ay bears up the ring ;  
We will find nae sick dancing here,  
If we want Willy's wanton fling.



## SONG XXXII.

*What Beauties does Flora disclose.*

What beau-ties does Flo-ra dis-close, How  
 sweet are her smiles up - on Tweed ! But Ma - ry,  
 still sweet-er than those, Both na-ture and  
 fan-cy ex-ceed. No dai-sy nor sweet  
 blush-ing rose, Nor all the gay flow'rs  
 of the field, Nor Tweed glid-ing gent-ly  
 thro' those, Such beauty and pleasure does yield.

The warblers are heard in the grove,  
 The linnet, the lark, and the thrush,  
 The blackbird, and sweet cooing dove,  
 With music enchant ev'ry bush.

Come, let us go forth to the mead,  
 Let's see how the primroses spring.  
 We'll lodge in some village on Tweed,  
 And love while the feather'd folks sing.

How does my love pass the long day?  
 Does Mary not tend a few sheep?  
 Do they never carelessly stray,  
 While happily she lies asleep?  
 Tweed's murmurs should lull her to rest,  
 Kind nature indulging my bliss,  
 To ease the soft pains of my breast,  
 I'd steal an ambrosial kiss.  
 'Tis she does the virgins excel,  
 No beauty with her may compare;  
 Love's graces around her do dwell,  
 She's fairest where thousands are fair.  
 Say, charmer, where do thy flocks stray?  
 Oh tell me at noon where they feed?  
 Is it on the sweet-winding Tay,  
 Or pleasanter banks of the Tweed?

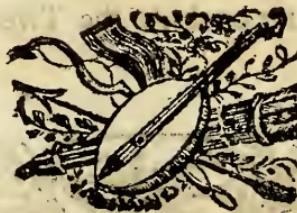


## SONG XXXIII.

*The Original Set.**To the foregoing Tune.*

WHEN Maggy and I were acquaint,  
 I carried my noddle fu' hee ;  
 Nae lintwhite on a' the gay plain,  
 Nae gowdspink sae bonny as she,  
 I whistl'd, I pip'd, and I sang ;  
 I woo'd, but I cam' nae great speed ;  
 Therefore I maun wander abroad,  
 And lay my banes far frae the Tweed.

To Maggy my love I did tell ;  
 My tears did my passion express :  
 Alas ! for I lo'ed her owre weel,  
 And the women lo'e sic a man less.  
 Her heart it was frozen and cauld,  
 Her price had my ruin decreed ;  
 Therefore I maun wander abroad,  
 And lay my banes far frae the Tweed.



## SONG XXXIV.

*To fair Fidele's Grassy Tomb.*

To fair Fi - - de - - le's gras - - sy tomb, soft  
 maids and vil-lage hinds shall bring Each op'-  
 ning sweet of ear - liest bloom, and ri - fle  
 all the breath-ing spring.

No wailing ghost shall dare appear,  
 To vex with shrieks this quiet grove ;  
 But shepherd lads assemble here,  
 And tender virgins own their love.

No wither'd witch shall here be seen,  
 No goblins lead their nightly crew ;  
 But female feys shall haunt the green,  
 And deck thy grave with pearly dew.

The red-breast oft, at ev'ning hours,  
 Shall kindly lend it's little aid,  
 With hoary moss and gather'd flow'rs,  
 To deck the ground where thou art laid.

When howling winds and beating rain,  
 In tempest shake the Sylvian cell,  
 Or 'midst the chace upon the plain,  
 The tender thought on thee shall dwell.

Each lonely scene shall thee restore,  
 For thee the tear be daily shed.  
 Belov'd till life could charm no more,  
 And mourn'd till pity's self is dead.



## SONG XXXV.

*How stands the Glass around.*

How stands the glass a - round? for shame ! ye  
 take no care, my boys! How stands the glass a-  
 round ? Let mirth and wine a - bound ! The  
 trum - pets sound, The colours they are flying,  
 boys, To fight; kill, or wound ; May we still be  
 found Content with our hard fate, my boys, On the  
 cold ground !

Why, soldiers ! why  
 Should we be melancholy, boys ?  
 Why, soldiers ? why !  
 Whose business 'tis to die.  
 What ! sighing ? fie ;  
 Don't fear, drink on, be jolly boys ?  
 'Tis he, you, or I,  
 Cold, hot, wet, or dry ;  
 We're always bound to follow, boys,  
 And scorn to fly !

'Tis but in vain,  
 (I mean not to upbraid you, boys ;)  
 'Tis but in vain  
 For soldiers to complain :  
 Should next campaign  
 Send us to him who made us, boys,  
 We're free from pain ;  
 But if we remain,  
 A bottle and kind landlady  
 Cure all again.



## SONG XXXVI.

*The Birks of Invermay.*

The smil-ing morn, the breath-ing spring, in-



vite the tune-ful birds to sing, And



while they war - ble from each spray, love melts



the u - ni- ver - sal lay. Let us, A-



man - da, time - - ly wise, like them im - prove



the hour that flies, And in soft raptures waste the



day, a - mong the birks of In-ver-may.

For soon the winter of the year,  
 And age, life's winter, will appear ;  
 At this thy living bloom will fade,  
 As that will strip the verdant shade ;  
 Our taste of pleasure then is o'er,  
 The feather'd songsters are no more ;  
 And when they droop, and we decay,  
 Adieu the birks of Invermay.

Behold the hills and vales around,  
 With lowing herds and flocks abound ;  
 The wanton kids, and frisking lambs,  
 Gambol and dance about their dams ;  
 The busy bees with humming noise,  
 And all the reptile kind rejoice ;  
 Let us like them, then sing and play  
 Among the birks of Invermay.

Hark ! how the waters as they fall,  
 Loudly my love to gladness call ;  
 The wanton waves sport in the beams,  
 And fishes play throughout the streams ;  
 The circling sun does now advance,  
 And all the planets round him dance ;  
 Let us as jovial be as they  
 Among the birks of Invermay.



## SONG XXXVII.

*A jolly Jack Tar.*

A jolly Jack Tar, but a little time since,  
 As poor as a beggar, as drunk as a prince, Ran  
 foul of an ale-house, and thinking it sin To pass  
 by without call-ing, reel'd jo-vial-ly in. Derry  
 down, down, down derry down.

Scarce seated was he, when the landlord pass'd by,  
 With pudding and beef, which attracted Jack's eye;  
 By the main-mast, a sail, boys! then he leap'd from  
 his place,  
 And grasping his bludgeon, gave orders for chace.  
 Derry down, &c,

Now it happen'd together some Frenchmen were met,  
 Resolving soup-meagre and frogs to forget,

Convinc'd of their error, commanded this feast  
To be dress'd and serv'd up in the old English taste.

Derry down, &c.

At the heels of the landlord the sailor appears,  
And makes the room echo with three British cheers ;  
Then he sets himself down without further debate,  
And claps a chew'd quid in his next neighbour's plate.

Derry down &c.

Sure nothing could equal the Frenchmens' surprize,  
Who shrugg'd up their shoulders, and turn'd up  
their eyes ;

From one dropt a ha, and the other a hem,  
All gap'd at the landlord, the landlord at them,

Derry down, &c.

One, more bold than the rest, by his brethren's advice,  
Made a sneaking attempt to come in for a slice ;  
Jack, cutting his hand, quickly gave him a check,  
Cry'd, Down with your arms, or I'll soon sweep the  
deck.

Derry down, &c.

The landlord enrag'd, now approach'd from afar,  
And sneaking behind, seiz'd the arms of the tar ;  
I have him, says he ; but he cou'd say no more,  
Ere he found his dull pate where his heels stood before.

Derry down, &c.

The landlord thus sprawling, the Frenchmen unite,  
Each takes up his knife, and prepares for the fight ;  
Of quarters, cries Jack, I would not have you think,  
Strike, strike, ye frog-eaters, strike, strike, or ye sink.

Derry down, &c.

So saying, he handled his trusty oak stick,  
 And pour'd in his broad-side so stout and so thick ;  
 He so well play'd his part, in a minute, that four  
 Were decently laid with their host on the floor.

Derry down, &c.

The rest all dismay'd at their countrymen's fate,  
 For fear that Jack's stick should alight on their pate,  
 Acknowledg'd him victor, and lord of the main ;  
 Then humbly intreated to bury their slain.

Derry down, &c.

Three cheer's then he gave, but insisted that they  
 For the beef, for the pudding, and porter should pay ;  
 They agreed ; so the sailor reel'd off with his wench,  
 And roar'd as he reel'd, Down, down with the French.

Derry down, &c.



## SONG XXXVIII.

*Down the Burn and through the Mead.*

Down the burn, and thro' the mead, his gold-en



locks wav'd o'er his brow, Johnny lilt-ing tun'd



his reed; And Ma-ry wip'd her bon-ny mou.



Dear she lo'ed the weel known sang, While her



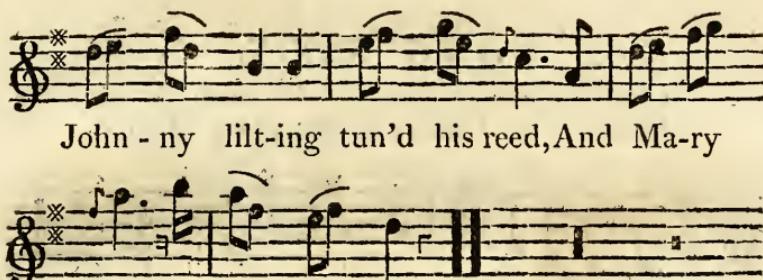
Johnny, Blythe and bon-ny, Sung her praise the



hale day lang. Down the burn, and thro' the



mead, His gold-en locks wav'd o'er his brow,



John - ny lilt-ing tun'd his reed, And Ma-ry

wip'd her bon - ny mou.

Costly claes she had but few ;

Of rings and jewels nae great store ;

Her face was fair, her love was true,

And Johnny wisely wish'd no more :

Love's the pearl the shepherd's prize ;

O'er the mountain,

Near the fountain,

Love delights the shepherd's eyes,

Down the burn, &c.

Gold and titles give not health,

And Johnny cou'd nae these impart ;

Youthfu' Mary's greatest wealth

Was still her faithfu' Johnny's heart :

Sweet's the joy the lovers find,

Great the treasure,

Sweet the pleasure,

Where the heart is always kind.

Down the burn, &c.

## SONG XXXIX.

*O saw ye my Father, or saw ye my Mother,*

The musical notation consists of three staves of music. The first staff starts with a treble clef, a key signature of one sharp, and a common time signature. It contains six measures of music. The second staff begins with a treble clef and a key signature of one sharp, with a common time signature. It contains five measures of music. The third staff begins with a treble clef and a key signature of one sharp, with a common time signature. It contains four measures of music. The lyrics are integrated into the musical lines.

O saw ye my fa-ther, or saw ye my  
 mother, Or saw ye my true love John ? I  
 saw nae your 'fa-ther,' I saw nae your mo-  
 ther, But I saw your true love John.

Up Johnny rose, and to the door he goes,

And gently tirs'd the pin.

The lassie taking tent, unto the door she went,

And she open'd and let him in.

Flee up, flee up, my bonny grey cock,

And craw when it is day ;

Your neck shall be of the bonny beaten gold,

And your wings of the silver grey.

The cock prov'd false, and untrue he was,

For he crew an hour o'er soon.

The lassie thought it day when she sent her love  
 away,

And it was but a blink of the moon.

SONG XL.

*How sweet's the Love that meets Return.*

When first I look'd young Sandy's face; He  
 sung and look'd wi' sic a grace; He sung  
 and look'd wi' sic a grace; He stole my heart,  
 but I did not care; The lad he lo'ed a lass  
 mair fair; And oft I sung o'er brae and burn,  
 How sweet's the love that meets re-turn !

He lo'ed a lass wi' fickle mind,  
 Was sometimes cauld and sometimes kind ;  
 Which made the love-sick laddie rue ;  
 For she was cauld when he was true :  
 He mourn'd and sung o'er brae and burn,  
 How sweet's the love that meets return !

One day a pretty wreath he twin'd,  
 Where liliacks with sweet cowslips join'd,  
 To make a garland for her hair ;  
 But she refus'd a gift so fair.  
 This scorn, he cry'd, can ne'er be borne ;  
 But sweet's the love that meets return.

Just then he met my tell-tale een,  
 And love so true is soonest seen :  
 Dear lass, said he, my heart is thine ;  
 For thy soft wishes are like mine :  
 Now Jenny, in her turn, may mourn,  
 How sweet's the love that meets return !

My answer was both frank and kind ;  
 I lo'ed the lad, and tell'd my mind ;  
 To kirk we went wi' hearty glee ;  
 And wha sae blest as he and me !  
 Now blithe we sing, o'er brae and burn,  
 How sweet's the love that meets return !



## SONG XLI.

*'Twas near a Thicket's calm retreat.*

'Twas near a thick-et's calm re-treat, Un-  
der a pop-lar tree, Ma-ri-a chose her lone-  
ly seat To mourn her sor-rows free. Her love-  
ly form was sweet to view, As dawn at  
op'ning day ; But ah ! she mourn'd her love  
not true, And wept her cares a-way.

The brook flow'd gently at her feet  
In murmurs smooth along ;  
Her pipe, which once she tun'd most sweet,  
Had now forgot its song.

No more to charm the vale she tries,  
 For grief has fill'd her breast :  
 Those joys which once she us'd to prize—  
 But love has robb'd her rest.

Poor, hapless maid ! who can behold

Thy sorrows so severe,  
 And hear thy lovelorn story told

Without a falling tear ?

Maria, luckless maid ! adieu !

Thy sorrows soon must cease ;  
 For heaven will take a maid so true

To everlasting peace.



## SONG XLII.

*Somebody.*

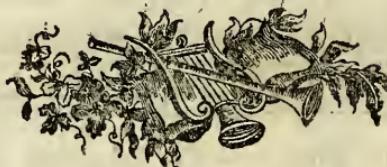
Were I o-blig'd to beg my bread, And  
had no where to lay my head, I'd creep where  
yon-der flocks are fed, And steal a look at  
some-bo-dy. My own dear some-bo - dy, My  
con-stant some-bo - dy, I'd creep where yonder  
flocks are fed, and steal a look at some-  
bo - dy.

When I'm laid low and am at rest,  
And, may be number'd with the blest;  
Oh, may thy artless, feeling breast,  
Throb with regard for somebody.

My own dear, &c.  
Ah ! will you drop one pitying tear,  
And sigh for the lost somebody.

But should I ever live to see  
That form so much ador'd by me;  
Then thou'l reward my constancy,  
And I'll be blest with somebody;

My own dear, &c.  
Then shall my tears be dry'd by thee,  
And I'll be blest with somebody.



## SONG XLIII.

*My Laddie is gone far away o'er the Plain.*

My lad-die is gone far a - - way o'er the plain,  
While in sor-row, be-hind I'm forc'd  
to re-main, Tho' blue bells and vi'-lets the hedg-es a-dorn, Tho' trees are in blossom,  
and sweet blows the thorn, No plea-sure they give me, in vain they look gay; there's no-  
thing can please now, my Jockey's a-way. For-

M

lorn I sit sing-ing, and this is my strain,  
 Haste, haste, my dear-est Jockey ; haste, haste,  
 my dear-est Jockey, haste, haste, my dearest Jockey,  
 to me back a - gain.

When lads, and their lasses, are on the green met ;  
 They dance, and they sing, and they laugh, and they  
 chat ;

Contented and happy, with hearts full of glee ;  
 I can't without envy their merriment see.  
 Those pastimes offend me ; my shepherd's not there :  
 No pleasure I relish, that Jockey don't share.  
 It makes me to sigh ; I from tears scarce refrain

I wish my dearest Jockey,  
 I wish my dearest Jockey,  
 I wish my dearest Jockey return'd back again.

But hope shall sustain me, nor will I despair ;  
 He promis'd he would in a fortnight be here ;  
 On fond expectation my wishes I'll feast ;  
 For love my dear Jockey to Jenny will haste.

Then farewell each care, and adieu each vain sigh ;  
Who'll then be so blest, or so happy as I ?  
I'll sing on the meadows, and alter my strain,

When Jockey returns,

When Jockey returns,

When Jockey returns to my arms back again.



## SONG XLIV.

*The Highland Laddie.*

The law-land lads think they are fine, But  
 oh, they're vain and id- ly gaw-dy ; How  
 much un - like the grace-fu' mein, and man-  
 ly looks of my Highland lad-die. O my  
 bon-ny Highland laddie, My handsome smil-  
 ing Highland laddie, May heav'n still guard, and  
 love re-ward, The law-land lass and her High-  
 land lad-die.

If I were free at will to chuse,  
 To be the wealthiest lawland lady,  
 I'd take young Donald without trews,  
 With bonnet blue, and belted plaidy.

O my bonny, &c.

The brawest beau in Burrow's town,  
 In a' his airs, with art made ready,  
 Compar'd to him, he's but a clown ;  
 He's finer far in's belted plaidy.

O my bonny, &c.

O'er benty hills with him I'll run,  
 And leave my lawland kin and daddy ;  
 Frae winter's cauld and summer's sun,  
 He'll screen me wi' his Highland plaidy.

O my bonny, &c.

A painted room, and silken bed,  
 May please a lawland laird and lady ;  
 But I can kiss, and be as glad,  
 Behind a bush in's Highland plaidy.

O my bonny, &c.

Few compliments between us pass,  
 I ca' him my dear Highland laddie,  
 And he ca's me his lawland lass,  
 Syne rows me in beneath his plaidy.

O my bonny, &c.

Nae greater joy I'll e'er pretend,  
 Than that his love prove true and steady,  
 Like mine to him, which ne'er shall end,  
 While heaven preserves my Highland laddie.

O my bonny, &c.

## SONG XLV.

*The Highland Lassie.**To the foregoing Tune.*

THE lawland maids gang trig and fine,  
 But aft they're sour and unco saucy ;  
 Sae proud, they never can be kind,  
 Like my good-humour'd Highland lassie.

O my bonny Highland lassie,  
 My hearty, smiling Highland lassie,  
 May never care make thee less fair,  
 But blooni of youth still bless my lassie.

Than ony lass in burrow's-town,  
 Wha mak' their cheeks with patches mottie,  
 I'd tak' my Katty but a gown,  
 Bare-footed in her little coatie  
 O my bonny, &c.

Beneath the brier, or brecken bush,  
 Whene'er I kiss and court my dawtie,  
 Happy and blyth as ane wad wish,  
 My flighterin' heart gangs pittie pattie.  
 O my bonny, &c.

O'er highest heathery hills I'll sten,  
 With cockit gun and ratches tenty ;  
 To drive the deer out of their den,  
 To feast my lass on dishes dainty.  
 O my bonny, &c.

There's nane shall dare, by deed or word,  
 'Gainst her to wag a tongue or finger,

While I can wield my trusty sword,  
Or frae my side whisk out a whinger.  
O my bonny, &c.

The mountains clad with purple bloom,  
And berries ripe, invite my treasure  
To range with me ; let great fowk gloom,  
While wealth and pride confound their pleasure.  
O my bonny, &c.



## SONG XLVI.

*The last time I came o'er the Muir.*

The last time I came o'er the muir, I  
 left my love be-hind me; Ye pow'rs, what pain  
 do I en-dure, When soft i - - de-as mind  
 me. Soon as the rud-dy morn dis-play'd The  
 beam-ing day en - suing, I met betimes my  
 love-ly maid, In fit re - treats for woo-ing.

Beneath the cooling shade we lay,  
 Gazing and chastely sporting;  
 We kiss'd and promis'd time away,  
 'Till night spread her black curtain.

I pitied all beneath the skies,  
 Even kings when she was nigh me ;  
 In raptures I beheld her eyes,  
 Which could but ill deny me.

Should I be call'd where cannons roar,  
 Where mortal steel may wound me ;  
 Or cast upon some foreign shore,  
 Where dangers may surround me ;  
 Yet hopes again to see my love,  
 To feast on glowing kisses,  
 Shall make my care at distance move,  
 In prospect of such blisses.

In all my soul there's not one place  
 To let a rival enter ;  
 Since she excels in every grace,  
 In her my love shall center.  
 Sooner the seas shall cease to flow,  
 Their waves the Alps shall cover ;  
 On Greenland's ice shall roses grow,  
 Before I cease to love her.

The next time I gang o'er the muir,  
 She shall a lover find me ;  
 And that my faith is firm and pure,  
 Tho' I left her behind me.  
 Then Hymen's sacred bonds shall chain  
 My heart to her fair bostom ;  
 There, while my being does remain,  
 My love more fresh shall blossom.

## SONG XLVII.

*The Yellow Hair'd Laddie.**For two Voices, two Violins, or two Flutes.*

In A-pril when prim-ro - - ses paint the  
 sweet plain, And sum-mer ap - proach-ing re-  
 joi-ceth the swain, joi-ceth the swain, the

yel-low hair'd lad-die would of - ten - times

go, To wilds and deep glens where the

hawthorn trees grow, hawthorn trees grow.

There, under the shade of an old sacred thorn,  
 With freedom, he sung his loves, ev'ning and morn :  
 He sang with so soft and enchanting a sound,  
 That Sylvans and Fairies, unseen, danc'd around.  
 The shepherd thus sung : Tho' young Maddie be fair,  
 Her beauty is dash'd with a scornful, proud air :  
 But Susie was handsome, and sweetly could sing :  
 Her breath, like the breezes, perfum'd in the spring.

That Maddie, in all the gay bloom of her youth,  
 Like the moon, was inconstant, and never spoke truth :  
 But Susie was faithful, good humour'd, and free,  
 And fair as the goddess that sprung from the sea.  
 That mamma's fine daughter, with all her great dow'r  
 Was aukwardly airy, and frequently sour :  
 Then sighing, he wish'd, would parents agree,  
 The witty, sweet Susie, his mistress might be.



## SONG XLVIII.

*Kath'rine Ogie.*

As walk-ing forth to view the plain, Up-on



a morn-ing ear-ly, While May's sweet scent



did cheer my brain, from flow'rs which grew so



rare-ly ; wish I chanc'd to meet- a pret-ty maid,



She shin'd, tho' it was fog - gie ; I ask'd



her name; Sweet Sir, she said, My name is



Kath'rine O - gie.

I stood a while, and did admire,  
 To see a nymph so stately ;  
 So brisk an air there did appear,  
 In a country maid so neatly :  
 Such nat'ral sweetness she display'd,  
 Like lilies in a bogie ;  
 Diana's self was ne'er array'd  
 Like this same Kath'rine Ogie.

Thou flow'r of females, beauty's queen,  
 Who sees thee sure must prize thee ;  
 Tho' thou art drest in robes, but mean,  
 Yet these cannot disguise thee :  
 Thy handsome air, and graceful look,  
 Excels each clownish rogue ;  
 Thou'rt match for laird, or lord, or duke,  
 My charming Kath'rine Ogie.

O ! were I but some shepherd-swain,  
 To feed my flock beside thee ;  
 At bughting-time to leave the plain,  
 In milking to abide thee ;  
 I'd think myself a happier man,  
 With Kate, my club, and dogie,  
 Than he that hugs his thousands ten,  
 Had I but Kath'rine Ogie.

Then I'd despise th' imperial throne,  
 And statesmen's dang'rous stations ;  
 I'd be no king, I'd wear no crown,  
 I'd smile at conqu'ring nations ;  
 Might I caress, and still possess  
 This lass of whom I'm vogie ;  
 For they are toys, and still look less,  
 Compar'd with Kath'rine Ogie,

But I fear the gods have not decreed  
For me so fine a creature ;  
Whose beauty rare makes her exceed  
All other works in Nature.  
Clouds of despair surround my love,  
That are both dark and fogie.  
Pity my care, ye Powers above,  
Else I die for Kath'rine Ogie !



## SONG XLIX.

*Highland Mary.**To the foregoing Tune.*

YE banks, and braes, and streamis, around  
 The castle of Montgomery,  
 Green be your woods, and fair your flow'rs,  
 Your waters never drumlie.  
 There simmer first unfaulds her robes,  
 And there does langest tarry ;  
 'Twas there I took the last fareweel,  
 Of my dear Highland Mary.

How sweetly bloom'd the gay green birk,  
 How rich the hawthorn's blossom :  
 As underneath their fragrant shade,  
 I clasp'd her to my bosom !  
 The golden hours, on angel wings,  
 Flew o'er me and my dearie ;  
 For dear to me as light and life  
 Was my sweet Highland Mary.

Wi' mony a vow, and lock'd embrace,  
 Our parting was fu' tender ;  
 And pledging aft to meet again,  
 We tore ourselves asunder.  
 But oh ! fell death's untimely frost,  
 Has nipt my flow'r so early ;  
 Now green's the sod, and cauld's the clay  
 That wraps my Highland Mary !

O pale, pale now, those rosy lips,  
I aft hae kiss'd sae fondly !  
And clos'd for ay, the sparkling glance  
That dwalt on me sae kindly !  
And mould'ring now in silent dust,  
That heart that lo'ed me dearly !  
But still within my bosom's core,  
Shall live my Highland Mary .



## SONG L.

*The Sea Storm.*

Cease rude Bo-reas, blust'ring rail-er, List  
 ye landsmen all to me, Messmates, hear a  
 bro-ther sai-lor Sing the dan-gers of the  
 sea, From bounding bil-lows first in mo-tion,  
 When the dis-tant whirlwinds rise ; To the tem-  
 pest trou-bled o-cean, where the seas contend  
 with skies.

*Lively.*

Hark ! the boatswain hoarsely bawling,—  
 By topsail sheets, and haulyards stand !  
 Down top-gallants quick be hauling !  
 Down your stay-sails ! hand, boys, hand !  
 Now it freshens, set the braces ;  
 Quick the topsail sheets let go ;  
 Luff, boys, luff, don't make wry faces !  
 Up your topsails nimbly clew !

*Slow.*

Now all you on down-beds sporting,  
 Fondly lock'd in beauty's arms,  
 Fresh enjoyments wanton courting,  
 Free from all but love's alarms....  
 Round us roar the tempest louder ;  
 Think what fear our mind enthrals :  
 Harder yet, it yet blows harder ;  
 Now again the boatswain calls :

*Quick.*

The topsail-yards point to the wind, boys !  
 See all clear to reef each course !  
 Let the fore-sheets go ; don't mind, boys,  
 Though the weather should be worse,  
 Fore and aft the sprit-sail yard get ;  
 Reef the mizen ; see all clear :  
 Hand up ! each preventer-brace set ;  
 Man the fore-yard ; cheer, lads, cheer !

*Slow.*

Now the dreadful thunder's roaring !  
 Peals on peals contending clash !

On our heads fierce rain falls, pouring !

In our eyes blue lightnings flash !

One wide water all around us,

All above us one black sky !

Diff'rent deaths at once surround us,

Hark ! what means that dreadful cry ?

*Quick.*

The foremast's gone, cries every tongue out,

O'er the lee, twelve feet 'bove deck.

A leak beneath the chest-tree's sprung out ;

Call all hands to clear the wreck.

Quick the lanyards cut to pieces !

Come, my hearts, be stout and bold !

Plumb the well ; the leak increases,

Four feet water in the hold !

*Slow.*

While o'er the ship wild waves are beating,

We for wives or children mourn ;

Alas ! from hence there's no retreating ;

Alas ! from hence there's no return.

Still the leak is gaining on us ;

Both chain pumps are choak'd below,

Heav'n have mercy here upon us !

For only that can save us now !

*Quick.*

O'er the lee-beam is the land boys ;

Let the guns o'er-board be thrown ;

To the pump, come, every hand, boys ;

See our mizen-mast is gone,

The leak we've found ; it cannot pour fast :  
 We've lighten'd her a foot or more ;  
 Up, and rig a jury fore-mast ;  
 She rights, she rights, boys ! wear off shore.

*Moderate.*

Now once more on joys we're thinking,  
 Since kind fortune spar'd our lives ;  
 Come, the cann, boys, let's be drinking  
 To our sweethearts and our wives.  
 Fill it up, about ship wheel it ;  
 Close to th' lips a brimmer join.  
 Where's the tempest now ? who feels it ?  
 None ! our danger's drown'd in wine !



## SONG LI.

*Lash'd to the Helm.*

In storms, when clouds obscure the sky, And



thun-ders roll, and light-nings fly ; In midst



of all these dire a-larms, I think, my Sal-



ly, on thy charms: The troubled main, The



wind and rain, My ar - dent pas-sion prove ;



Lash'd to the helm, Should seas o'erwhelm, I'd



think on thee, my love; I'd think on thee, my

love ; I'd think on thee, my love : Lash'd to  
 the helm, Should seas o'erwhelm, I'd think on  
 thee, my love.

When rocks appear on ev'ry side  
 And art is vain the ship to guide,  
 In varied shapes when death appears,  
 The thoughts of thee my bosom cheers :

The troubled main,  
 The wind and rain,  
 My ardent passion prove ;  
 Lash'd to the helm,  
 Shou'd seas o'erwhelm,  
 I'd think on thee my love.

But shou'd the gracious pow'rs be kind,  
 Dispel the gloom, and still the wind,  
 And waft me to thy arms once more,  
 Safe to my long-lost native shore ;

No more the main  
 I'd tempt again,  
 But tender joys improve ;  
 I then with thee  
 Shou'd happy be,  
 And think on nought but love.

## SONG- LIL.

*The Invitation.**To the foregoing Tune.*

Tho' winter spreads her drear domain,  
And whirlwinds howl on ev'ry plain ;  
Tho' snows descend in northern storms,  
The thought of Bet my bosom warms ;

Let tempests roll  
From pole to pole,  
And wild tornadoes threat,  
Bless'd with thy love,  
I'll cheerly rove,  
And think on thee, my Bet !

Then haste, Eliza, to my cot,  
Where winter's frowns shall be forgot ;  
Thy presence makes each season gay,  
And stern December sweet as May.

Come, then, my dear,  
Disperse thy fear,  
No danger here beset ;  
As swift as thought,  
The hours will sport,  
While bless'd with thee; my Bet.

At length whén Spring new paints the mead,  
To thee I'll tune my oaten reed ;  
Or lead thee to yon silent grove,  
Sweet harbour of content and love !

There, blythe and gay,  
I'll bless the day,  
When first my love I met ;  
I'll laugh at pain,  
Nor'e'er again  
Will part with thee, my Bet.

## SONG LIII.

*Blow high, blow low.*

S:

Blow high, blow low, let tempests tear The  
mainmast by the board ; My heart, with thoughts  
of thee, my dear, And love well stor'd, Shall  
braye all danger, Scorn all fear, The roaring  
winds, the rag - ing sea, In hopes on shore To  
be once more, Safe moor'd with thee. A - loft  
while mountains high we go, The whistling'



winds that scud along, And the surge roaring from



below, Shall my sig - nal be To think on thee ;



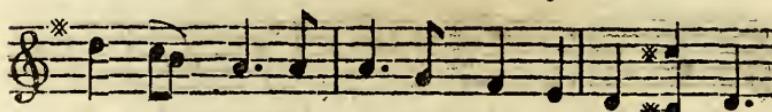
Shall my sig - nal be To think on thee ; And  
S:



this shall be my song : — And on that



night, when all the crew, The mem'ry of their



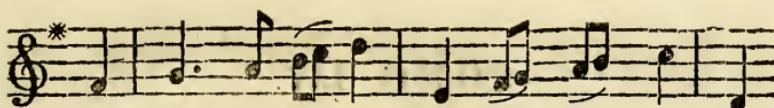
for-mer lives O'er flowing cans of flip re-new,



And drink their sweethearts and their wives ;



I'll heave a sigh, I'll heave a sigh and think

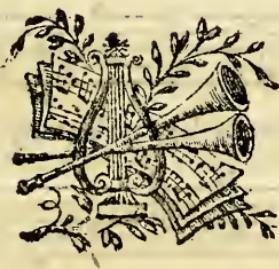


on thee: And as the ship rolls thro' the sea,

:S:



The bur - den of my song shall be :



## SONG LIV.

*When 'tis Night, and the Mid-watch.*

When 'tis night, and the Mid-watch is come,  
 And chilling mists hang o'er the darken'd main,  
 Then sai-lors think of their far dis-tant home,  
 And of those friends they ne'er may see a-gain :  
 But when the fight's be-gun, Each serving at  
 his gun, Should a-ny thought of them come o'er  
 our mind, We think but should the day be

won, How 'twill cheer Their hearts, to hear That  
 their old com-pa-nion he was one. How 'twill  
 cheer Their hearts to hear, That their old com-pa-  
 nion he was one.

Or, my lad, if you a mistress kind  
 Have left on shore ; some pretty girl and true,  
 Who many a night doth listen to the wind,  
 And sighs, to think how it may fare with you :  
 Oh ! - when the fight's begun,  
 Each serving at his gun,  
 Should any thought of her come o'er your mind,  
 Think only should the day be won,  
 How 'twill cheer  
 Her heart, to hear  
 That her own true Sailor he was one.



## SONG LV.

*Twine weel the Plaiden.*

O, I ha'e lost my silk-en snood That tied  
 my hair sae yel-low ; I gied my heart to  
 a lad I lo'ed, He was a gal-lant fel-low.  
  
 And twine it weel, my bon-ny dow, And  
 twine it weel the plaiden ; The las-sie lost  
 her silk-en snood In pu'-ing o' the  
 bracken.

He prais'd my een sae bonny blue,  
 Sae lily white my skin, O ;  
 And syne he preed my bonny mou',  
 And swore it was nae sin, O.  
 And twine it weel, my bonny dow,  
 - And twine it weel the plaiden ;  
 The lassie lost her silken snood,  
 In pu'ing o' the bracken.

But he has left the lass he loo'd,  
 His ain true love forsaken ;  
 Which gars me sair to greet the snood  
 I lost amang the bracken.  
 And twine it weel, my bonny dow,  
 And twine it weel the plaiden ;  
 The lassie lost her silken snood,  
 In pu'ing o' the bracken.



## SONG LVI.

*The blathrie o't.*

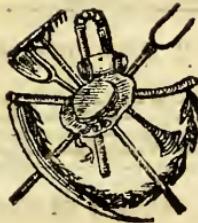
When I think on this warld's pelf,  
 And the lit - tle wee share I ha'e o't to  
 my-self, And how the lass that wants it is  
 by the lads for - got: May the shame tak the gear  
 and the blath-rie o't.

Jockie was the laddie that held the plough,  
 But now he's got gowd and gear eneugh ;  
 He thinks nae mair o' me that wears the plaiden coat :  
 May the shame tak the gear, and the blathrie o't.

Jenny was the lassie that mucked the byre,  
 But now she is dress'd in her silken attire ;

**And Jockie says he loo's her, and me he has forgot :  
May the shame tak the gear, and the blathrie o't.**

**But a' this shall never daunton me,  
As lang as I keep my fancy free ;  
For a lad that's sae inconstant he is not worth a groat :  
May the shame tak the gear, and the blathrie o't.**



...ogiol and id om bus red a'ool id ayra oisool, buA  
...o eindield eS:ON G:LVIE at outside ois

*Wherever I'm going, and all the day long:*

*But where I go I keep my secret safe;*



Wher-e-ver I'm go-ing, and all the day long,



At home and abroad, or a - lone in a throng,



I find that my passion's so lively and strong,



That your name, when I'm silent, still runs in my



song. Sing a Bal-li-na-mo-na o-ro, Bal-li-na-mo-



na o-ro, Bal-li-na-mo-na o-ro, A kiss of your



sweet lips for me,

Since the first time I saw you I take no repose,  
 I sleep all the day to forget half my woes ;  
 So hot is the flame in my stomach that glows,  
 By St Patrick ! I fear it will burn thro' my clothes.

Sing Ballinamona, &c.

Your pretty black hair for me.

In my conscience I fear I shall die in my grave,  
 Unless you kindly and poor Phelim do save, li tuB  
 And grant the petition my dunslover does crave, even so  
 Who never was free till you made him your slave.

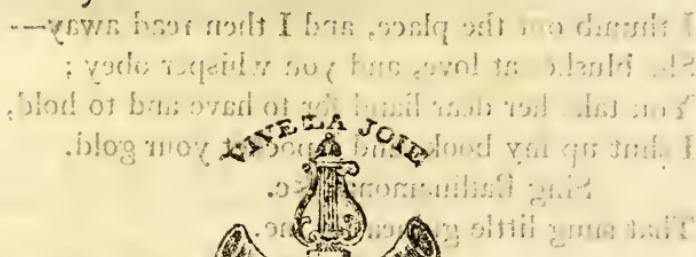
Sing Ballinamona, &c.

Your pretty black eyes for me.

On that happy day when I make you my bride, i nd T  
 With a swinging long sword, shewb I'll strut and I'll  
 doo stride ! like gods on high this red nation o? B  
 In a coach and six horses with honey I'll ride, o ho !  
 As before you I walk to the church by your side.

Sing Ballinamona, &c.

Your lily white fist for me.



and his moorgabird on the deliver me from  
 the power of this dragon, I'm mortal man o' this  
 soft land of Ulster, and comely Ireland, I  
 sing ye all the strength of me, and spirit of me, I  
 and all the might of me, I sing ye all  
 and all the strength of me, I sing ye all

## SONG LVIII.

*You know I'm your Priest.**To the foregoing Tune.*

You know I'm your priest, and your conscience is  
mine ; But if you grow wicked, 'tis not a good sign :  
So leave off your raking and marry a wife,  
And then, my dear boy, you are settled for life.

Sing Ballinamona, &amp;c.

A good merry wedding for me.

The banns being publish'd, to chapel we go,  
The bride and bride's maidens in robes white as snow ;  
So modest her air, and so sheepish your look,  
You out with your ring, and I pull out my book.

Sing Ballinamona, &amp;c.

A good merry wedding for me.

I thumb out the place, and I then read away—  
She blushes at love, and you whisper obey ;  
You take her dear hand for to have and to hold,  
I shut up my book, and I pocket your gold.

Sing Ballinamona, &amp;c.

That snug little guinea for me.

The neighbours wish joy to the bridegroom and bride,  
The pipers before us, you march side by side ;  
A plentiful dinner gives mirth to each face ;  
The piper plays up, and myself I say grace.

Sing Ballinamona, &amp;c.

A nice wedding dinner for me.

The joke now goes round, and the stocking is thrown ;  
 The curtains are drawn, and you're both left alone :  
 'Tis then, my dear boy, I believe you at home ;  
 And hey for a christ'ning in nine months to come !

Sing Ballinamona, &c.

A good merry christ'ning for me.



: woudt ai guid to salt hir, but to song, for o'er all  
 : onds stol stid **SONG LIX.** bys ons eindur aff  
 ; emer, no revalid, lyed nev'r aff, and aff  
 ; Busk ye, busk ye, my bonny Bride.

Busk ye, busk ye, my bonny bride ; Busk ye,  
 busk ye, my win-some mar-row ; Busk ye,  
 busk ye, my bon-ny bride, And let us  
 to the braes of Yar-row. There will we  
 sport and ga-ther dew, Danc-ing while lav'rocks  
 sing in the morn-ing, There learn frae tur-  
 tles to prove true : O, Bell, ne'er vex me  
 with thy scorn-ing !

To westlin breezes Flora yields,  
 And when the beams are kindly warming,  
 Blythness appears o'er all the fields,  
 And nature looks mair fresh and charming.  
 Learn frae the burns, that trace the mead,  
 Tho' on their banks the roses blossom,  
 Yet hastily they flow to Tweed,  
 And pour their sweetnes in his bosom.

Haste ye, haste ye, my bonny Bell,  
 Haste to my arms, and there I'll guard thee;  
 With free consent my fears repel,  
 I'll with my love and care reward thee.  
 Thus sang I softly to my fair,  
 Wha rais'd my hopes with kind relenting?  
 O! queen of smiles, I ask nae mair,  
 Since now my bonny Bell's consenting.



## SONG. LX.

*Open the Door to me, O.*

O o - pen the door, some pi-ty to shew ;  
 O o - pen the door to me, O. Though  
 you have been false, I'll al - ways prove true, So  
 o - pen the door to me, O.

Cold is the blast upon my pale cheek,  
 But colder your love to me, O !

Tho' you have been false, I'll always prove true,  
 So open the door to me, O !

She's open'd the door, and she's open'd it wide,  
 And saw his cold corse on the ground, O !  
 Tho' she had seem'd cold, her heart still was true,  
 And firm by love's cords had been bound, O !

“ My true love,” she cried, then fell down by his  
 side,  
 While life from her bosom did flee, O !  
 “ Tho' in life I was false, yet at last I'll prove true,  
 “ And your partner in death I will be, O !

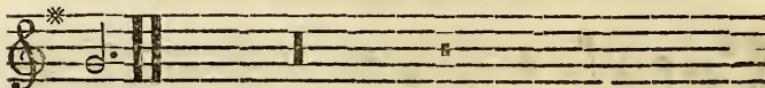
## SONG LXI.

## *Nothing like Grog.*

A plague of those musty old lubbers, Who tell  
us to fast and to think, And pa-tient fall  
in with life's rubbers, With nothing but wa-ter  
to drink: A can of good stuff, had they twigg'd  
it, Would have set them for plea-sure a - gog,  
And spite of the rules, And spite of the rules Of  
the schools, the old fools Would have all of 'em



swigg'd it, And swore there was nothing like



grog.

My father, when last I from Guinea  
 Return'd with abundance of wealth,  
 Cried, " Jack, never be such a ninny  
 To drink :" says I, " Father, your health."  
 So I pass'd round the stuff—soon he twigg'd it,  
 And it set the old codger agog ;  
 And he swigg'd, and mother,  
 And sister and brother,  
 And I swigg'd, and all of us swigg'd it,  
 And swore there was nothing like grog.

One day, when the chaplain was preaching,  
 Behind him I curiously slunk,  
 And, while he our duty was teaching,  
 As how we should never get drunk,  
 I tipt him the stuff, and he twigg'd it,  
 Which soon set his rev'rence agog ;  
 And he swigg'd, and Nick swigg'd,  
 And Ben swigg'd, and Dick swigg'd,  
 And I swigg'd, and all of us swigg'd it,  
 And swore there was nothing like grog.

Then trust me, there's nothing as drinking  
 So pleasant on this side the grave ;  
 It keeps the unhappy from thinking,  
 And makes e'en more valiant the brave.

For me, from the moment I twigg'd it,  
The good stuff has so set me agog,  
Sick or well, late or early,  
Wind foully or fairly,  
'Tis all one—for I've constantly swigg'd it,  
And d——me, there's nothing like grog.



## SONG LXII.

*Ah! Cloris, could I now but sit.**For two Voices, two Violins, or two Flutes.*

Ah ! Clo - ris, could I now but sit, As un -  
 con-cern'd as when Your in-fant beau-ty could  
 beget No hap-pi-ness nor pain. When I  
 this dawning did admire, And prais'd the com - ing

day, I lit - tle thought that ris - ing fire Would  
take my rest a-way.

Your charms in harmless childhood lay  
As metals in a mine ;  
Age from no face takes more away,  
Than youth conceal'd in thine :  
But as your charms insensibly  
To their perfection press'd,  
So love, as unperceiv'd, did fly,  
And center'd in my breast.

My passion with your beauty grew,  
While Cupid, at my heart,  
Still as his mother favour'd you,  
Threw a new flaming dart.  
Each gloried in their wanton part ;  
To make a lover, he  
Employ'd the utmost of his art ;  
To make a beauty, she.

## SONG LXIII.

*Blythe young Bess.*

Blythe young Bess to Jean did say, Will ye  
 gang to yon sun - ny brae, Where flocks do  
 feed, and herds do stray, And sport a while wi'  
 Jamie? Ah, na, lass, I'll no gang  
 there, Nor about Ja-mie tak a care, Nor  
 a - bout Ja - mie tak a care, For he's ta'en  
 up wi' Maggie.

For hark, and I will tell you, lass,  
 Did I not see young Jamie pass,  
 Wi' mickle blytheness in his face,  
 Out o'er the muir to Maggie :  
 I wat he gae her mony a kiss,  
 And Maggie took them nane amiss ;  
 'Tween ilka smack pleas'd her wi' this,  
 "That Bess was but a gawkie.

" For whene'er a civil kiss I seek,  
 " She turns head, and throws her cheek,  
 " And for an hour she'll hardly speak :  
 " Wha'd no ca' her a gawkie ?  
 " But sure my Maggie has mair sense,  
 " She'll gie a score without offence ;  
 " Now gie me ane into the mense,  
 " And ye shall be my dawtie."

" O Jamie ye hae monie ta'en,  
 " But I will never stand for ane,  
 " Or twa, when we do meet again,  
 " So ne'er think me a gawkie."  
 " Ah, na, lass, that cannot be ;  
 " Sic thoughts as these are far frae me,  
 " Or ony thy sweet face that see,  
 " E'er to think thee a gawkie."

But whisht, nae mair o' this we'll speak,  
 For yonder Jamie does us meet ;  
 Instead of Meg he kiss'd sae sweet,

I trow he likes the gawkie.

" O dear Bess, I hardly knew,  
 " When I came by, your gown sae new ;  
 " I think you've got it wat wi' dew."  
 Quoth she, " That's like a gawkie :

“ It’s wat wi’ dew, and ’twill get rain,  
 “ And I’ll get gowns when it is gane ;  
 “ Sae ye may gang the gate ye came,  
 “ And tell it to your dawtie.”  
 The guilt appear’d in Jamie’s cheek ;  
 He cry’d, “ O cruel maid, but sweet,  
 “ If I should gang anither gate,  
 “ I ne’er cou’d meet my dawtie.”

The lasses fast frae him they flew,  
 And left poor Jamie sair to rue,  
 That ever Maggie’s face he knew  
 Or yet ca’d Bess a gawkie.

As they gaed o’er the muir they sang,  
 The hills and dales with echo rang,  
 The hills and dales with echo rang,  
 “ Gang o’er the muir to Maggy.”

**END OF PART FIRST.**





